# समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• अगस्त २०२३ • वर्ष ७४ • अंक ८

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००


## अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने आजादी महोत्सव मनाया

७६वें स्वतंत्रता दिवस की वर्षगाँठ के अवसर पर केंद्रीय कार्यालय के प्रांगण में झंडोत्तोलन करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया। चित्र में परिलक्षित हैं - सर्वश्री पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राम अवतार पोद्दार, संतोष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश कुमार जैन, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री द्वय श्री पवन कुमार जालान, संजय गोयनका, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदार नाथ गुप्ता, निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भानीराम सुरेका, निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका, विश्वनाथ भुवालका, अरुण प्रकाश मल्लावत, रतनलाल अग्रवाल, अशोक पुरोहित, रमेश कुमार बूबना, अनिल मल्लावत, गोपाल झुनझुनवाला, रघुनाथ प्रसाद झुनझुनवाला, शंकरलाल कारिवाल, अजय अग्रवाल, राजेन्द्र राजा एवं अन्य।

## असम के राज्यपाल से मारवाड़ी सम्मेलन के शिष्टमंडल की भेंट

असम के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया के कोलकाता आगमन पर सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने पारंपरिक राजस्थानी पगड़ी पहनायी साथ में हैं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जैन, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाश पति तोदी, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री द्वय श्री पवन जालान एवं श्री संजय गोयनका तथा श्री अरुण मल्लावत।

## इस अंक में


**संपादकीय**

पारिवारिक विघटन

**आपणी बात**

सम्मेलन के बढ़ते कदम

**रपट**

असम राज्यपाल से शिष्टमंडल की भेंट

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश से मिले पदाधिकारी

राष्ट्रीय महामंत्री का संबलपुर दौरा

सिक्किम प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन का शपथ ग्रहण

**कविता**

उणकै बिन हिय चेत न आव

**विशेष**

**दस्तावेज:** सम्मेलन का सप्तम अधिवेशन

**इतिहास के पन्नों से :** सम्मेलन का अधिवेशन

**प्रादेशिक समाचार**

बिहार, झारखंड, पूर्वोत्तर, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, उत्तराखंड, सिक्किम

# RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

**RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL)** is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

**Regd. & Corporate Office:**

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

**Overseas Office at:**

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

**Plants at:**

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

# Perfectly styled weddings

Showcasing a collection of impeccably styled ceremonial suits, that add a sense of style and sophistication to your wedding look. This collection is a true testament to redefining suits for weddings, crafted in multiple hues, distinctive silhouettes and fine detail. Because no wedding wardrobe is complete without a well-tailored suit.

THE Raymond SHOP

**7/1A, Lindsay Street**
**✆22174978/22174980/9331046462**

**21, Camac Street**
**✆22837933/40629259/9007104378**

Use Green Products & Increase Green Building Rating Points

# HINDCON CHEMICALS LTD.

STRENGTH UPON STRENGTH

Manufacturers of:

## CONSTRUCTION CHEMICALS
## SPECIALITY CHEMICALS
## SODIUM SILICATE

PROTECTIVE & WATERPROOFING COATINGS, SHEETINGS EXPANSION & CONTRACTION JOINT SYSTEM | CONCRETE & MORTAR ADMIXTURES | REMOVER/CLEANING COMPOUNDS WATER PROOFING COMPOUNDS | GROUTS & REPAIRING MORTARS CEMENT ADDITIVES | EPOXY GROUTS & MORTARS | REHABILITATION COATING IMPREGNATION | CONCRETING AIDS | SHOT CRETE AIDS FLOOR TOPPINGS | TILE ADHESIVE | FOUNDRY AID | SEALANTS | WATERPROOFING | JOB WORK

- **Kolkata :** Nest Constructors +91 9831075782
- **Midnapore :** New S.A. Sanitary +91 8016933523
- **Mursidabad :** Bharat Congee +91 7047628386
- **Siliguri :** Subhojit Ghosh +91 9836367567
  Bhawani Enterprise +91 7584983222
- **South 24 Pgs :** M.M. Enterprise +91 9051449377
- **Nadia :** NPR Enterprise +91 9775174923
- **Purulia :** Netai Chandra Son & Grand Sons +91 9775154544
- **Bankura :** Amit Enterprise +91 8972945781
- **Arambagh :** Maa Manasa Trading +91 9647673010
- **Hooghly :** Sen Enterprise +91 7908528482
- **Birbhum :** K.D. Enterprise +91 9434132114
- **Bhubaneswar :** Santosh Nayak +91 8895677677
- **Chennai :** Five Star Associates +91 9962591145
- **Delhi :** Debasis De +91 9836174567
- **Gujarat :** Ujjwal Chanchal +91 9142501353
- **Guwahati :** Manik Dey +91 9864824344
- **Himachal Pradesh :** Rajan Sharma +91 9830286567
- **Karnataka :** Akshaya Enterprise-9902019244
- **Madhya Pradesh :** Kanha Trading Co. +91 9630732585
  Om Shree Sai Trader +91 8077185201
- **Navi Mumbai :** Paresh Ashra, +91 9967658832, 9322591244
- **Patna :** Happy Home +91 9122191920
- **Uttar Pradesh :** Pramod Kr. Shahi +91 9830296567
  Hind Trading Company +91 7052429999
- **Bhutan :** Sriram Traders - +91 9647748327
- **Nepal :** Ashwin International Pvt. Ltd - 00977 9851035502

ISO 9001:2015 | IS:2645 | IS:9103 | ISO 22716:2007

+91 33 24490839, 9830599113 | +91 33 24490849 | contactus@hindcon.com | www.hindcon.com

Vasudha' 62 B, Braunfeld Row, Kolkata-700027, West Bengal, India

# समाज विकास

◆ अगस्त २०२३ ◆ वर्ष ७४ ◆ अंक ८

◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००


## अनुक्रमणिका

शीर्षक — पृष्ठ संख्या


- **संपादकीय :** ६
  पारिवारिक विघटन
- **आपणी बात : शिव कुमार लोहिया** ७
  सम्मेलन के बढ़ते कदम
- **रपट**
  असम राज्यपाल से सम्मेलन के शिष्टमंडल की भेंट ८-१३
  सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश से मिले पदाधिकारी
  राष्ट्रीय महामंत्री का संबलपुर दौरा
  सम्मेलन का स्वतंत्रता दिवस समारोह संपन्न
  सिक्किम प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन का शपथ ग्रहण १४
- **हमारे नवनिर्वाचित शाखाध्यक्ष**
  शिलापथार, बंदरदेवा, फकीराग्राम, होजाई, गुवाहाटी (पूर्वोत्तर), पूर्वी दिल्ली १६
- **प्रादेशिक समाचार**
  पूर्वोत्तर, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, कर्नाटक, सिक्किम १७-२३
- **विशेष**
  दस्तावेज २४
  इतिहास के पन्नों से २५
- **समाचार सार** २८
- **कविता**
  उणकै बिन हिय चेत न आव : लक्ष्मण कुमार नेवटिया २८



**स्वत्वाधिकारी**

**अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन**
**All India Marwari Federation**

**प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय** : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
**फोन :** ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।


## नौकरी नियुक्तियों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया

१. क्षेत्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति करें– जो इस कार्य के लिए प्रतिदिन १५ मिनट देने को तैयार हो।
२. प्रधान कार्यालय पोस्टर को पुनः डिज़ाइन करें
   क) प्रधान कार्यालय का ईमेल आईडी।
   ख) स्थानीय व्यक्ति और उनका ईमेल आईडी।
   ग) स्थानीय व्यक्ति का मोबाइल नंबर (यदि वह चाहे)।
३. बड़े दर्शकों तक पहुँचने के लिए उस पोस्टर को अपने सम्मेलन समूह/व्यक्तिगत समूह/फेसबुक या अन्य ज्ञात समूहों और सोशल मीडिया पर प्रसारित/पोस्ट करें।
४. रोजाना चेक करें कि कोई सी.वी./बायोडाटा मिला या नहीं।
५. उम्मीदवार को २-३ दिन के अंदर तय समय पर १५ मिनट के लिए कॉल करें और पूछताछ करें–
   क) उसकी क्षमता
   ख) नौकरी का प्रकार
   ग) वेतन अपेक्षा
   घ) पसंदीदा स्थान
   ङ) पिछला अनुभव आदि।
६. फिर ४/५ स्थानीय व्यक्तियों को कॉल करें और बात करें, जो उसे नियुक्त/भर्ती कर सकें और उम्मीदवार को उनसे मिलने और साक्षात्कार देने और उसे समझने के लिए भेजें।
७. साप्ताहिक आधार पर एक शीट बनाएँ और हर शुक्रवार शाम ५ बजे ग्रुप में पोस्ट करें। सभी प्रगति और विवरणों के साथ शीट को नियमित आधार पर अद्यतन रखें।
८. हर पखवाड़े जांच करें कि उसकी नियुक्ति हुई या नहीं और यदि नहीं हुई तो दूसरों के साथ उसकी नौकरी के लिए दोबारा प्रयास करें।

**कार्यकारिणी समिति (सत्र २०२३-२५) की प्रथम बैठक**

**२७ अगस्त २०२३ (रविवार)**

**पटना**

**समय : सुबह ११ बजे**

# पारिवारिक विघटन

परिवार की अवधारणा सिर्फ मनुष्य में ही है। पूरे विश्व में सबसे मजबूत पारिवारिक अवधारणा हमारी है। जब कोई विदेशी यहाँ आता है तो वह देखकर आश्चर्य से भर जाता है कि यहाँ माँ-बाप, बेटा-बेटी, चाचा-चाची, दादा-दादी एक परिवार में रहते हैं। वे प्रश्नातुर होते हैं कि इतने लोग एक परिवार में कैसे रहते हैं? कैसे एक-दूसरे से सामंजस्य बैठा पाते हैं? भारतीय संस्कार 'वसुधैव कुटुंबकम्' का है। हम तो पूरे विश्व को अपना परिवार मानने वाले लोग हैं। परिवार एक सामाजिक अवधारणा है। समाज में परिवार एक शृंखला, एक मर्यादा, एक नियम कायम करता है। उस मर्यादा और नियम में रहकर मनुष्य अपना जीवनयापन शांतिपूर्वक व्यतीत कर पाता है। व्यक्ति इसी व्यवस्था में रहते हुए समाज, राष्ट्र और विश्व के साथ-साथ अपना भी कल्याण करता है। आज समाज में शैनः-शैनः हमारा जो एक-दूसरे के साथ मधुर संबंध था, वह खत्म होता जा रहा है। मधुर संबंध ही परिवार के बनने में बड़ी भूमिका निभाता है। मधुर संबंध की कमी ही परिवार के विघटन का कारण है।

परिवार विघटन के मुख्य कारणों में शहरीकरण, औद्योगिकीकरण, आधुनिक शिक्षा, रिश्तों में बिखराव (चाचा-चाची, फूफा-बुवा, दादा-दादी, मौसा-मौसी, मामा-मामी जैसे संबंधों का गायब होना), प्रेम विवाह, अहं की समस्या, बढ़ते तलाक, पारिवारिक झगड़े, त्याग की भावना का अभाव, सब चलता है की मनःस्थिति, बुजुर्गों की अवहेलना, बढ़ती आबादी, धन लोलुपता का बोल-बाला, धन को ही जीवन का लक्ष्य बना लेना, कितना हम संचय कर लें, कितना धन कमा लें, कितनी इच्छाओं की पूर्ति कर लें इत्यादि है। शहर में जगह की कमी के कारण परिवार एक साथ नहीं रह पाता, परिवार के अन्य सदस्य रोजगार के लिए अन्य शहरों में चले जाते हैं। आज मनुष्य की सोच में पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव हम स्पष्टतः देख सकते हैं। हमारी जो संस्कृति है वह कहती है कि हमको एक रहना है। हमें अपने अहं भाव में नहीं रहना है। आज आदमी, आदमी को नहीं पहचानता। जब व्यक्ति छत पर चढ़ जाता है तो मकान को नहीं देख पाता। सहनशीलता की कमी समस्या को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आज जो सामाजिक व्यवस्था पनप रही है उसमें देर से विवाह होना, नई-नई शादियों में बहुत जल्दी तनाव पैदा होना, विवाह का महत्व घटना, ससुराल में पीहर वालों की दखलंदाजी इतनी महत्वाकांक्षा माँ-बाप अपने बच्चों के अंदर देखते हैं कि आज बच्चे दादा-दादी, नाना-नानी को समय नहीं दे पाते हैं। आज बच्चे पढ़ाई के बोझ से दबे हुए हैं। उन्हें दादा-दादी आदि के साथ समय बिताने का अवकाश ही नहीं मिलता। अकबर इलाहाबादी का एक शेर है –

**तिफ़्ल में बू आए क्या माँ बाप के अतवार की**
**दूध तो डिब्बे का है तालीम है सरकार की**

ऐसी आशंका व्यक्त की जाती है कि संयुक्त परिवार में प्रतिभाएँ दबी रह जाती थीं। यह सही नहीं है कि प्रतिभाओं का प्रस्फुटन संयुक्त परिवार में नहीं हो पाता है। वेद वाक्य है 'यद् भावम्, तद् भवति।' यानी, जैसा हम सोचते हैं, वैसा बन जाते हैं। अभी प्रश्न यह है कि क्या हम परिवार के महत्व को स्वीकार करते हैं? आज हम देख रहे हैं कि पति-पत्नी को भी आपस में मिल-जुलकर रहने में असुविधा होने लगी है। दुनिया में सब कुछ दिखलाई देता है, मगर व्यक्तियों को अपनी गलती नहीं दिखती। पहले पड़ोस भी परिवार हुआ करता था, आज परिवार में पड़ोस बन गया है। यह जो मानसिकता है दूसरों को जैसा है, वैसा स्वीकार नहीं करना। मान लीजिए, किसी में कोई कमी है, तो परिवार के लोगों को यदि उस व्यक्ति को स्वीकार करना है तो **'न उपेक्षा, न अपेक्षा'** के भाव से उसे उस कमी के साथ स्वीकार करना पड़ेगा। हम बहुत कुछ चाहते हैं जैसे कोई स्त्री यह चाहे कि मेरा पति इतना कमाए, इससे कम कमाता है तो वह स्वीकार नहीं। यदि पति, पत्नी से चाहे कि उसकी अपेक्षा वह पूरी नहीं कर पा रही तो वह स्वीकार नहीं। जब हम अपने संबंधों को अपेक्षा और उपेक्षा से जोड़ देते हैं, तब विघटन की समस्या खड़ी हो जाती है। आज जीवन में धर्म का प्रभाव कम होता जा रहा है। अब धर्म सिर्फ भय और लालच के लिए पालन किया जाता है। भक्ति और श्रद्धा की भावना धर्म में आडंबर का रूप लेती जा रही है। आज परिवार में जिसकी सबसे ज्यादा आय है उसका महत्व है, आयु गौण हो गया है। यह सब बातें हमारी मानसिकता को दर्शाती हैं। आज व्यक्ति अपने दुख से उतना दुखी नहीं है, जितना दूसरे के सुख से दुखी है। आज लोगों का खून जलाने के लिए हमारा हँसना ही काफी है। वास्तव में होना यह चाहिए कि दूसरों को हँसते देखकर हमें भी सुख मिले। जयशंकर प्रसाद की पंक्ति है – **"औरों को हँसते देखो मनु, हँसो और सुख पाओ।' / अपने सुख को विस्तृत कर लो, सबको सुखी बनाओ।"** हमें यह समझना चाहिए कि हर व्यक्ति का जीवन अलग है। व्यक्ति परिवार का अंग है, पर जीवन उसका अलग है। परिवार में हम अगर प्रत्येक व्यक्ति की भावनाओं का सम्मान करते हुए उसे जोड़कर रखते हैं तो परिवार का प्रत्येक व्यक्ति अपने को नींव की ईंट बनाने के लिए हमेशा तत्पर रहता है। परिवार में एक-दूसरे को उचित जगह देना जरूरी है।

कहते हैं कि यदि आप दूसरे के लिए प्रार्थना करते हैं तो आपको अपने लिए प्रार्थना करने की आवश्यकता नहीं है। उसी प्रकार जब हम त्याग की भावना से परिवार में रहेंगे तो आपकी जरूरतें अपने आप पूरी हो जाएंगी। आपकी जरूरतें दूसरा व्यक्ति पूरा करे तो उसमें ज्यादा सुख है। आज हम सब सिर्फ अपने-अपने बारे में सोचते हैं। कहते हैं कि आपकी जरूरतें पूरा हो सकती हैं, पर आपकी इच्छाएं नहीं। हमें अपने आप पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार की अवधारणा के महत्व को हमें स्वीकार करना होगा। हम परिवार के महत्व को समझकर ही परिवार में सुख, शांति का संवर्धन कर पाएंगे।

# सम्मेलन के बढ़ते कदम

– शिव कुमार लोहिया

राम-राम !!

मनीषियों ने कहा है :–

*यतो दृष्टि स्ततो मनः*
*यतो मनः स्ततो भावः*
*यतो भावः स्ततो यत्नः*
*यतो यत्नः स्ततो फलं।*

जैसी हमारी दृष्टि होगी वैसा ही हमारे जीवन में हमें फल प्राप्त होगा।

हमारे पूर्वजों एवं संस्थापकों की दूरदृष्टि को मैं नमन करता हूँ कि समाज को उन्होंने एक ऐसा मंच प्रदान किया जहाँ हम संगठित होकर 'मैं' से ऊपर उठकर 'हम' होकर सोचते हैं। सम्मेलन के ८८ वर्षों की यात्रा विभिन्न पड़ावों से गुजरी है। समाज-सुधार के कार्यक्रमों को सफलता पूर्वक अंजाम देकर समाज को सशक्त बनाने में सम्मेलन की महती भूमिका रही है। नई-नई विसंगतियाँ आज पनप रही हैं। कूरीतियाँ पनपने के मुख्य कारण होते हैं – अभाव, अंधविश्वास एवं अंधी दौड़। कुछ लोग कहते है कि आज आंदोलनों का दौर नहीं है। चिंतन एवं चर्चा के द्वारा हम वैचारिक परिवर्तन के जरिये ही समस्या का निराकरण कर सकते हैं।

इस संदर्भ में मई महीने में गुवाहाटी में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में उन प्रस्तावों की ओर मैं आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहूँगा, जिसमें समाज में वर्तमान विसंगतियों के संबंध में प्रस्ताव पारित हुए थे। मुख्यतः प्री-वेडिंग सूट का सार्वजनिक प्रदर्शन, वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान निषेध है। समाज के सभी वर्गों से मेरा अनुरोध है कि इन प्रस्तावों को किस प्रकार लागू किया जाए। इस संबंध में अपने सुझाव से अवगत करवाएँ।

हमारा पुनीत कर्तव्य है कि समाज को हम अपना सर्वश्रेष्ठ दें। कहा गया है- धर्मो रक्षति रक्षितः। आप धर्म की रक्षा करें, धर्म आपकी रक्षा करेगा। सम्मेलन को आप अपना सर्वश्रेष्ठ दें, सम्मेलन समाज को सशक्त करने के माध्यम से आपको सर्वश्रेष्ठ देगा।

वर्तमान सत्र प्रारंभ होने के साथ-साथ जाग्रत रूप से नई सोच के साथ सम्मेलन की गतिविधियों को एक दिशा देने का प्रयास आपकी नई टीम कर रही है। ९ जुलाई को आयोजित अखिल भारतीय समिति में नए कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई थी। मुझे प्रसन्नता है कि उनका स्वागत हुआ है। उस कार्यक्रम के तहत प्रत्येक सदस्यों के साथ डिजिटल संपर्क में मजबूती आई है। विवरण इस प्रकार है – (१) प्रत्येक माह **'समाज विकास'** प्रत्येक सदस्य अपने स्मार्ट फोन के जरिए प्राप्त कर पाएँगे। (२) सदस्यगण अपने सदस्यता की जानकारी में किसी भी भूल का संशोधन स्वयं ही कर पाएँगे। (३) वैवाहिक, व्यापारिक एवं नौकरी संबंधी पेज भी वेबसाइट में जुड़ रहे हैं। (४) सम्मेलन में उपलब्ध पुस्तकों का वेबसाइट पर प्रकाशन (५) सदस्यों को जन्मदिन पर स्वचालित शुभकामना संदेश का संप्रेषण (६) फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया पर पेज के माध्यम से समाज-बंधुओं तक सम्मेलन की पहुँच (७) SMS के माध्यम से सम्मेलन की सूचनाओं का प्रत्येक सदस्य को त्वरित संप्रेषण (८) **'AIMF ऐप'** प्ले स्टोर पर उपलब्ध।

नई शाखा खोलने पर इस सत्र में जोर दिया जा रहा है। प्रत्येक प्रांत में कम से कम पाँच शाखाएँ सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान देना है। इस विषय में राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण एवं प्रांतीय टीम सक्रिय है एवं आशा करते हैं कि हम अपना लक्ष्य हासिल करेंगे।

सम्मेलन, समाज और राष्ट्र के सामने नई-नई चुनौतियाँ हैं। पर हमें यह भी समझना है कि कोई भी समस्या बिना समाधान के पैदा नहीं होती। इन चुनौतियों का हमें धैर्य, साहस एवं निष्ठा के साथ सामना करना है। समस्याएँ हमारे सुप्त शक्तियों को जागृत करती हैं, जो कि नव-निर्माण मे सहायक होती हैं। आप उस आदमी को हटा नहीं सकते जो प्रयास करना नहीं छोड़ता। इस सत्र के लक्ष्य को हमें संकल्पित होकर हासिल करना है। उससे समाज में एक उदाहरण प्रस्तुत करेंगे एवं हमारी साख बढ़ेगी।

हाल में ही सम्मेलन परिवार में सिक्किम प्रांत का स्वागत किया था। इस माह के १९ तारीख को हमारे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सिक्किम प्रांत के प्रभारी आदरणीय श्री मधुसूदन सीकरिया ने गंगटोक, सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण करवाया। प्रांतीय अध्यक्ष श्री रमेश पेड़ीवाल, सभी पदाधिकारियों एवं सभी सदस्यों को पूरे सम्मेलन परिवार की ओर से अनेकानेक बधाई एवं शुभकामनाएँ!

अंत में मैं आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई प्रेषित करता हूँ। हमारा ध्येय वाक्य है– **'म्हारो लक्ष्य–राष्ट्र री प्रगति'**। आइए, सम्मेलन एवं समाज की प्रगति के जरिए राष्ट्र के विकास के लिए यत्नपूर्वक प्रयत्न करते रहें।

**आपणो समाज – एक समाज – श्रेष्ठ समाज**

# असम के राज्यपाल से मारवाड़ी सम्मेलन के शिष्टमंडल की भेंट

असम के महामहिम राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया के कोलकाता आगमन पर सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने पारंपरिक राजस्थानी पगड़ी और राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने दुपट्टा पहनाकर उनका अभिवादन किया। महामहिम राज्यपाल महोदय ने श्री लोहिया एवं राष्ट्रीय पदाधिकारियों से विभिन्न विषयों खासकर सम्मेलन एवं समाज से संबंधित समसामयिक विषयों पर चर्चा की। महामहिम राज्यपाल ने सम्मेलन द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। सम्मेलन के शिष्टमंडल ने महामहिम राज्यपाल को सम्मेलन से प्रकाशित होने वाली मासिक पत्रिका **'समाज विकास'** के कुछ अंक एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जैन ने अपनी पुस्तक **'अनेकान्तवाद : एक विमर्श'** भेंट की। राज्यपाल के साथ भेंटवार्ता में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जैन, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाश पति तोदी, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री द्वय श्री पवन जालान एवं श्री संजय गोयनका तथा श्री अरूण मल्लावत शामिल थे।

# सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश से मिले पदाधिकारी

सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया एवं महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री राजेश बिंदल के कोलकाता आगमन पर पारंपरिक राजस्थानी पगड़ी और दुपट्टा पहनाकर उनका अभिवादन किया। श्री लोहिया ने श्री बिंदल को सम्मेलन द्वारा उच्च शिक्षा में आर्थिक अनुदान, रोजगार सहायता, मारवाड़ी भाषा, साहित्य व संस्कृति के विकास हेतु बहुविध प्रयास, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन हितार्थ किए जा रहे प्रयासों और कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया ने न्यायमूर्ति बिंदल के साथ सामाजिक विषयों पर चर्चा की एवं उन्हें बताया कि सत्र २०२३-२५ के लिए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का नारा है **"आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज"**। न्यायमूर्ति श्री बिंदल ने सम्मेलन की गतिविधियों में रुचि दिखाई एवं सराहना की। श्री लोहिया एवं श्री तोदी ने न्यायाधीश श्री बिंदल को सम्मेलन से प्रकाशित होने वाली मासिक पत्रिका **'समाज विकास'** का जुलाई अंक एवं अन्य प्रकाशित सामग्री भेंट की। न्यायाधीश महोदय के साथ भेंटवार्ता में उपस्थित थे श्री विवेक अग्रवाल और श्री गिरिधर धेलिया।

# पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन तदर्थ समिति का गठन

**श्री गोपी राम धुवालिया**
*चेयरमैन, तदर्थ समिति*
पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नंद किशोर अग्रवाल ने अपने पद से दिनांक ७ सितंबर २०२२ को त्यागपत्र दे दिया था। तत्पश्चात चुनाव करवाने के लिए सम्मेलन संविधान के अनुसार दिनांक १७ अक्तूबर २०२२ को तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष ने एक तदर्थ समिति का गठन किया था। इस समिति का चुनाव करवाने से पहले कार्यकाल समाप्त हो गया। तदुपरांत ४ अप्रैल २०२३ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने एक नई तदर्थ समिति का गठन किया। इस तदर्थ समिति का भी कार्यकाल ३ जुलाई २०२३ को समाप्त हो गया। फिर से १७ अगस्त २०२३ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने श्री गोपी राम धुवालिया के चेयरमैनशिप में नई तदर्थ समिति का गठन पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नए अध्यक्ष का चुनाव एवं अधिवेशन करवाने के लिए हुआ। नई तदर्थ समिति के संयोजक श्री संजय भरतिया, सदस्यगण में श्री विश्वनाथ भुवालका, श्री राजीव खंडेलवाल, श्री प्रदीप कुमार सितानी, श्री पवन कुमार बंसल, श्री नरेन्द्र कुमार तुलस्यान हैं।

# राष्ट्रीय महामंत्री का संबलपुर दौरा

'संबलपुर दिवस' के पावन अवसर पर उत्कल प्रांतीय अध्यक्ष के आमंत्रण पर राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी का एक दिवसीय संबलपुर दौरा हुआ। संबलपुर शाखा द्वारा आयोजित शिविर में चाय, बिस्कुट, पानी का वितरण किया गया। भीषण बारिश के बावजूद शाखा द्वारा आयोजित शिविर में श्री तोदी ने शिरकत किया। शाखा अध्यक्ष श्री संतोष अग्रवाल, सचिव श्री महेश, श्री विनय अग्रवाल, श्री राजू दारुका, श्री राजकुमार पोद्दार, श्री सुशील केडिया ने शिविर का संचालन किया तथा प्रांतीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष, प्रांतीय महासचिव, प्रांतीय उपाध्यक्ष, जोनल उपाध्यक्ष श्री मंगतू राम अग्रवाल, श्री चंद्र कुमार सराफ, श्री सुरेश टीनावाले, श्री श्याम सुंदर अग्रवाल एवं अन्य लोगों ने अपनी भागीदारी दी। दौरे के दौरान राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. गोविंद अग्रवाल, प्रांतीय सचिव श्री जयदयाल अग्रवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल, प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्री सज्जन भूत, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक जालान एवं सम्मेलन से वर्षों से जुड़े लोगों के साथ सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। सभी ने एक स्वर में मिलकर सम्मेलन के कार्य को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय महामंत्री के संबलपुर दौरे पर पहुँचने पर प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. गोविंद अग्रवाल ने अभिनंदन पत्र में लिखा कि "प्रिय तोदी जी, ०१ अगस्त २०२३ यानी 'संबलपुरी दिवस' को 'उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन' के प्रधान कार्यालय, संबलपुर में आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। यह आपकी दयालुता थी कि आपने संबलपुर में उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, मुख्यालय का दौरा किया और संबलपुर में 'संबलपुरी दिवस' समारोह देखा। संबलपुरी भाषा, संस्कृति, नृत्य, कपड़े, त्यौहार और परंपराएं अद्वितीय पहचान रखती हैं। यह 'संबलपुरी दिवस' २०१३ से हर साल मनाया जा रहा है। ०१ अगस्त १९१३ को जन्मे गुरु सत्यनारायण बोहिदार को श्रद्धांजलि देने और उनके योगदान को याद करने के लिए इस दिवस का पालन करते हैं। गुरु बोहिदार संबलपुरी संस्कृति और भाषा के पुरोधा हैं और उन्होंने इसके संरक्षण और प्रचार के लिए कड़ी मेहनत की थी। २०१३ में उनका १००वाँ जयंती उत्सव मनाया गया तभी से १ अगस्त को 'संबलपुरी दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा।

वास्तव में, कोर्ट एरिया के पास मैदान में 'संबलपुरी दिवस' समारोह को देखना बहुत यादगार था। यह पश्चिमी ओडिशा में अन्य स्थानों पर भी मनाया जाता है। जैसा कि हमने देखा था कि पुरुष और महिला दोनों संबलपुरी पोशाक में शानदार दिख रहे थे। मंच पर किए गए लोकगीत, संगीत और प्रसिद्ध संबलपुरी नृत्य ने मैदान को झकझोर दिया था। हजारों की संख्या में दर्शक मैदान में उमड़ पड़े थे। उत्सव के गवाह बनें और उसमें भाग लिया। स्वयंसेवी और धर्मार्थ संगठनों ने नागरिक सुविधा और उपयोगी सेवाएं प्रदान करने के लिए मैदान में सेवा शिविर लगाए थे। ऐसा ही एक शिविर वहां उत्कल मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा भी लगाया गया था। मुझे आशा है कि आपने उत्सव का आनंद लिया होगा।"

# राष्ट्रीय पदाधिकारियों का शाखा दौरा

८ अगस्त २०२३ को राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने पश्चिम बंग प्रादेशिक शाखाओं का दौरा किया। दुर्गापुर पश्चिम शाखा की बैठक श्री लक्ष्मी नारायण भवन, बेनाचिटी में आयोजित हुई। दुर्गापुर पश्चिम शाखा एवं बांकुड़ा शाखा के सदस्यों ने रोष एवं दुख प्रकट करते हुए कहा कि पिछले कुछ दिनों से तीन निष्कासित सदस्यों द्वारा पश्चिम बंग मारवाड़ी सम्मेलन के नाम से जो अवैध गतिविधियां प्रसारित/प्रचारित की जा रही हैं वह विधि विरुद्ध व अशिष्ट है। इस पर सम्मेलन द्वारा कड़ी कानूनी कार्यवाही की जानी चाहिए। आगे अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा किए जा रहे कार्यवाही का दुर्गापुर पश्चिम शाखा एवं बाँकुड़ा शाखा ने पुरजोर समर्थन किया। शाखा सदस्यों द्वारा सामाजिक सुधार के मुद्दों पर भी आपसी विचार-विमर्श हुआ। दौरे के दौरान राष्ट्रीय महामंत्री के साथ राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री पवन कुमार जालान एवं श्री विश्वनाथ भुवालका भी उपस्थित थे।

# सम्मेलन में स्वतंत्रता महोत्सव संपन्न

## लेने की जगह, देने की भावना से देश बनता है : श्री लोहिया

आजादी के ७६ वर्ष पूर्ण होने पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के डकबैक हाउस स्थित सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय प्रांगण में तिरंगा फहराया गया। मौके पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने कहा कि हम जो कल थे, आज उससे अच्छे नहीं बनते तो हमें आने वाले कल के बारे में सोचने का अधिकार नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि सम्मेलन, समाज एवं राष्ट्र में बहुत सी नई-नई चुनौतियाँ हमारे सामने हैं, उन चुनौतियों को अवसर में बदलकर हम आगे बढ़ेंगे। हम मिलकर प्रेम, विश्वास के साथ एकजुट रहें तभी देश, समाज, सम्मेलन व परिवार आगे बढ़ेगा। कार्यक्रम में उपस्थित रहे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार ने कहा कि आज हमारा देश सभी क्षेत्रों में बहुत आगे बढ़ा है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने कहा कि सम्मेलन का ध्येय वाक्य ही है "म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति" इसको सार्थक बनाने के लिए हम सबको अपना-अपना दायित्व निर्वहन करना होगा। अमृतकाल के इस दौर में हमें सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन करने की आवश्यकता है। निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने कहा कि हमें हर घर तिरंगा अभियान की भावना को आत्मसात करने की जरूरत है। सम्मेलन की स्थापना यहाँ हुई और आज सम्मेलन विरोधी कार्यवाही यहाँ से संचालित हो रही है, हम सबको इसका पुरजोर विरोध करना है। पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका ने कहा कि राष्ट्र विकसित राष्ट्रों की पंक्ति में खड़ा दिखे, इसके लिए हम सबको कार्य करने की आवश्यकता है। आगे उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया जी के कार्यों की प्रशंसा की और हर परिस्थिति में साथ खड़े होने की आश्वस्ति दी। पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं फाइनेंस कमेटी चेयरमैन श्री आत्माराम सोन्थलिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज बलिदान, त्याग और राष्ट्र की बात करने का समय है; हमारे समाज के कितने व्यवसायी देश के लिए फाँसी पर हँसते-हँसते चढ़ गए उसे याद करने का समय है। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदार नाथ गुप्ता ने एक कविता के माध्यम से अपनी बात को रखा।

सर्वश्री रमेश कुमार बुबना, रतनलाल अग्रवाल, नंदलाल सिंघानिया, शंकरलाल कारिवाल, विश्वनाथ भुवालका ने अपना सारगर्भित उद्बोधन दिया। छात्र नवीन नागौरी ने 'जयद्रथ वध का तृतीय गर्ग' और 'भारत के राम जगो' कविता का पाठ करके सभी उपस्थित लोगों को आनंदित कर दिया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने किया। राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री संजय गोयनका ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जैन, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री पवन कुमार जालान, श्री अरूण प्रकाश मल्लावत, श्री अजय अग्रवाल, श्री अशोक पुरोहित, श्री नवीन गोपालिका, श्री अनिल मल्लावत, श्री गोपाल झुनझुनवाला, श्री रखुनाथ प्रसाद झुनझुनवाला, श्री राजेंद्र राजा, श्रीमती हेमा नागौरी सहित अन्य उपस्थित थे।

IAC
SINCE 1959

ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab

# POWERING 35 NATIONS ACROSS THE WORLD

IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959

**PRODUCTS & SERVICES OFFERED:**

- Transmission line and substation insulator fittings up to 1200 kV AC and 800 kV HVDC
- Conductor and groundwire accessories
- HTLS conductor accessories and Sub zero hardware fittings
- OPGW cable fittings
- Pole/Distribution line hardware
- AB Cable and ADSS cable accessories
- Substation clamps and connectors
- Conductor, Insulator and hardware testing facility

Transmission line and distribution line hardware fittings,
IEC/ISO 17025/2015 NABL accredited laboratory for conductor, insulator and hardware fittings type testing.

www.iacelectricals.com info@iacelectricals.com

701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

Introducing

# nouriture

## New thinking that heralds the journey to progress

Nouriture is here to usher in a new era of livestock farming through new products, technologies and services. Building on its heritage of 19 years under the name Anmol Feeds, its range includes easily digestible Poultry, Fish, Cattle and Shrimp Feed. Nouriture produces superior quality poultry feed under three different brand names that are nutritious and accelerates growth of poultry. Indeed, with the advent of Nouriture, Indian livestock farming is all set for a revolution. So choose Nouriture, choose progress.

HIGH YIELD | PROMOTES ANIMAL HEALTH | MANUFACTURED USING MODERN FORMULATION

**POULTRY FEED | FISH FEED | SHRIMP FEED | CATTLE FEED**

Scan to visit website

Manufactured & Marketed by:
**ANMOL FEEDS PVT. LTD.**

Toll free number:
**1800 3131 577**

Unit No. 608 & 612, 6th Floor, DLF Galleria, New Town, Kolkata-700156, West Bengal
P +9133 4028 1011-1035 E afpl@nouriture.in W www.nouriture.in

झलकियाँ

# प्रांतों एवं शाखाओं में मना स्वाधीनता दिवस समारोह

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल द्वारा झंडोत्तोलन

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. गोविन्द अग्रवाल द्वारा झंडोत्तोलन

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल द्वारा झंडोत्तोलन

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री बसंत मित्तल द्वारा झंडोत्तोलन

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया द्वारा झंडोत्तोलन

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के दुमका जिला अध्यक्ष श्री कैलाश प्रसाद शर्मा द्वारा झंडोत्तोलन

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के चकिया शाखाध्यक्ष श्री मनोज कुमार तुलस्यान द्वारा झंडोत्तोलन

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के बलांगीर शाखा द्वारा झंडोत्तोलन

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के बेतिया शाखाध्यक्ष श्री प्रेम सोमानी द्वारा झंडोत्तोलन

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के गिरिडीह जिला अध्यक्ष श्री श्रवण केडिया द्वारा झंडोत्तोलन

# सिक्किम प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन का शपथ ग्रहण समारोह

देवभूमि सिक्किम में दिनांक १९ अगस्त को मारवाड़ी सम्मेलन के सिक्किम प्रांत का विधिवत गठन हुआ। गंगटोक में आयोजित एक हरिमामयी समारोह में प्रांत के संस्थापक प्रांतीय अध्यक्ष के रूप में श्री रमेश कुमार पेड़ीवाल ने अपने पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी समिति के सदस्यों के साथ पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि गंगटोक की उप-मेयर श्रीमती छिरिंग पालदेन भूटिया, विशिष्ट अतिथि पार्षद श्री संदीप मालू एवं श्रमती किी, वयोवृद्ध समाजसेवी श्री हरि प्रसाद अग्रवाल, मुख्य वक्ता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिा को मं पर आमंत्रित किया गया। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की प्रंपरिक शुरुआत की गई। तदोपरांत गगटोक मारवाड़ी महिला मंडल की तरफ से गणेश वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। श्री पवन मित्तल द्वारा स्वागत संबोधन

प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात अतिथियों का अभिनंदन सिक्किम की परंपरा के अनुसार खादा एवं ममेंटो भेंटकर किया गया। सभा में उपस्थित अन्य विशिष्ट समाजबंधुओं एवं सलाहकारों के साथ ही महिला मंडल एवं मारवाड़ी युवा मंच के पदाधिकारियों को भी नव-निर्वाचित सिक्किम इकाई द्वारा सम्मानित किया गया। सभा में उपस्थित महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शोभना सारड़ा ने सभा की संबोधित करते हुए आज के इस दिन को ऐतिहासिक बताया। विशिष्ठ अतिथि पार्षद संदीप मालू ने अपने संबोदन में कहा कि सिक्किम प्रांत के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि आज समाज की प्रमुख प्रतिनिधि संस्था मारवाड़ी सम्मेलन का सिक्किम में भी गठन हो रहा है। इससे सिक्किम प्रांत में अपने समाज को एकत्रित करने में सहूलियत होगी। श्री मालू, जो गंगटोक के प्रसिद्ध एम जी मार्ग से पार्षद चुन कर आए हैं, ने आगे कहाकि चूंकि सम्मेलन समाज की शीर्ष संस्था है अत: आगामी दिनो में आयोजित होने वाले दीपावली समारोह का आयोजन सम्मेलन की अंगुवाई में समाज की सभी संस्थाएं मिलकर करें ऐसा हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में नव प्रांतीय अध्यक्ष श्री रमेश पेड़ीवाल तथा उनकी टीम को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकारिया ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नव प्रांतीय अध्यक्ष **श्री पेड़ीवाल** जी ने अपने सारगर्भित संबोधन में सिक्किम के उन सभी समाज-बंधुओं का, जिन्होंने इस जिम्मेदारी के लिए उन पर विश्वास व्यक्ति किया, का आभार प्रकट किया। उन्होंने आगे कहा कि सम्मेलन का प्रयास रहेगा कि समाज की सभी संस्थाओं को साथ लेकर आगे बढ़े एवं उसी अनुरूप न केवल दीपावली, बल्कि सभी कार्यक्रम एकत्र होकर आयोजित करें। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सीकरिया ने सभी में सम्मेलन के ८८ वर्ष के इतिहार पर प्रकाश डालते हुए सम्मेलन के उद्देश्यों की व्याख्या की। सिक्किम समाज की प्रशंसा करते हुए उन्होंने आगे कहा कि यहां का समाज पूर्ण परिपक्क समाज है तथा उम्मीद व्यक्त की कि सम्मेलन के गठन से समाज के सात ही सिक्किमप्रांत का भीविकास होगा। मुख्य अतिथि उप-मेयर श्रीमती छिरिंग पालदेन भूटिया ने सभा में अपने उद्धार व्यक्त करते हुए आज के दिन को विशेष बताते हुए कहा कि वैसे तो मारवाड़ी समाज ने सिक्किम प्रांत के विकास में अभूतपूर्व योगदान किया है, परंतु मारवाड़ी सम्मेलन के गठनसे हम सभी मलिकर गंगटोक के विकास में और अधिक गति प्रदान कर सकेंगे। उन्होंने गंगट ोक पौर निगम की तरफ से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सीकरिया का गंगटोक में स्वागत किया तथा नव-प्रांतीय अध्यक्ष के मार्फत उन्हें सम्मान स्वरूप प्रतीकात्मक चिह्न भेंट किया। समारोह के अंत में नव प्रांतीय संयुक्त मंत्री श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। प्रदेश सचिव श्री सुरेश जी अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री पवन जी मित्तल, कोषाध्यक्ष श्री ओम जी थिरानी बने हैं। चार संयुक्त सचिव श्री सजन जी अग्रवाल, श्री पुरषोत्तम जी अग्रवाल, श्री मोहन जी उपाध्यक्ष एवं श्री सुभाष जी डागा बने। आठ सदस्यों को कार्यकारिणी समिति के साथ चार सलाहकार एवं दो संरक्षक भी बनाए गए हैं। राष्ट्रीय गान के साथ आज की यह सभा संपन्न हुई।

# सम्मेलन की नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति (सत्र २०२३-२५)

## पदाधिकारीगण

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| श्री शिव कुमार लोहिया | राष्ट्रीय अध्यक्ष | कोलकाता | डॉ. सुभाष अग्रवाल | राष्ट्रीय उपाध्यक्ष | कर्नाटक |
| श्री दिनेश कुमार जैन | राष्ट्रीय उपाध्यक्ष | कोलकाता | श्री कैलाशपति तोदी | राष्ट्रीय महामंत्री | हावड़ा |
| श्री रंजीत कुमार जालान | राष्ट्रीय उपाध्यक्ष | उत्तराखंड | श्री पवन कुमार जालान | राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री | कोलकाता |
| श्री मधुसूदन सीकरिया | राष्ट्रीय उपाध्यक्ष | असम | श्री संजय गोयनका | राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री | कोलकाता |
| श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला | राष्ट्रीय उपाध्यक्ष | बिहार | श्री महेश जालान | राष्ट्रीय संगठन मंत्री | पटना |
| श्री राज कुमार केडिया | राष्ट्रीय उपाध्यक्ष | झारखंड | श्री केदार नाथ गुप्ता | राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष | कोलकाता |

## पदेन सदस्य

श्री सीताराम शर्मा (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री नंदलाल रूंगटा (चाईबासा), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री राम अवतार पोद्दार (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री प्रह्लाद राय अगरवाला (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री संतोष सराफ (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया (राँची), निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री रतन लाल साह (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री
श्री भानीराम सुरेका (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री
श्री संजय कुमार हरलालका (कोलकाता), निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री

## सदस्यगण

श्री अखिलेश जैन (कोलकाता)
श्री अमित सरावगी (कोलकाता)
श्री आनंद कुमार अग्रवाल (कोलकाता)
श्री अनिल कुमार जाजोदिया (वाराणसी)
श्री अरुण चुड़ीवाल (कोलकाता)
श्री अरुण कुमार सुरेका (कोलकाता)
श्री अशोक धानुका (असम)
श्री आत्माराम सोन्थलिया (कोलकाता)
श्री भगवानदास अग्रवाल (कोलकाता)
श्री विजय कुमार केडिया (ओड़िसा)
श्री बिमल कुमार केजरीवाल (कोलकाता)
श्री विनय सरावगी (झारखंड)
श्री बिनोद तोदी (बिहार)
श्री बृज मोहन गाड़ोदिया (कोलकाता)
श्री दीपक पारीक (झारखंड)
श्री जुगल किशोर सर्राफ (कोलकाता)
श्री जुगल किशोर जाजोदिया (कोलकाता)
श्री कमलेश कुमार नाहटा (मध्य प्रदेश)
श्री कुंजबिहारी अग्रवाल (कोलकाता)
श्री मन्ना लाल बैद (दिल्ली)
श्री मनोज कुमार जैन (ओड़िशा)
श्री नंद किशोर अग्रवाल (कोलकाता)
श्री नरेंद्र तुलस्यान (कोलकाता)
श्री निर्मल कुमार काबरा (झारखंड)
श्री ओम प्रकाश अग्रवाल (झारखंड)
श्री ओम प्रकाश खंडेलवाल (असम)
श्री पवन कुमार बंसल (कोलकाता)
श्री पवन कुमार गोयनका (दिल्ली)
श्री पवन सुरेका (बिहार)
श्री पवन टिबड़ेवाल (कोलकाता)
श्री प्रदीप जीवराजका (कोलकाता)
श्री रघुनाथ प्रसाद झुनझुनवाला (कोलकाता)
श्री राजेश कुमार पोद्दार (कोलकाता)
श्री रमेश कुमार बूबना (कोलकाता)
श्री सज्जन भजनका (कोलकाता)
श्री श्याम सुंदर धानुका (कोलकाता)
श्री सुरेश कुमार कमानी (ओड़िशा)
श्री विवेक गुप्ता (कोलकाता)

## स्थायी विशिष्ट आमंत्रित

श्री अजय अग्रवाल (कोलकाता)
श्री अशोक जालान (ओडिशा)
श्री बनवारीलाल शर्मा (सोती) (कोलकाता)
श्री विश्वनाथ भुवालका (कोलकाता)
श्री विश्वनाथ चौधरी (कोलकाता)
श्री दिनेश कुमार अग्रवाल (ओड़िशा)
श्री गोपाल अग्रवाल (कोलकाता)
श्री जितेंद्र गुप्ता (ओड़िशा)
श्री कैलाश चंद्र लोहिया (असम)
श्री कमल नोपानी (बिहार)
श्रीमती ममता बिनानी (कोलकाता)
श्री मनीष सराफ (बिहार)
श्री नंद लाल सिंघानिया (कोलकाता)
श्री नारायण प्रसाद डालमिया (कोलकाता)
श्री निर्मल सराफ (कोलकाता)
श्री ओम प्रकाश गट्टानी (असम)
श्री राज कुमार मिश्रा (दिल्ली)
श्री राजेंद्र कुमार खंडेलवाल (कोलकाता)
श्री राजेश कुमार अग्रवाल (कोलकाता)
श्री रमेश चंद बंग (महाराष्ट्र)
श्री शिव रतन फोगला (कोलकाता)
श्री सीताराम अग्रवाल (कर्नाटक)
श्रीमती सुषमा अग्रवाल (बिहार)
श्री विजय कुमार लोहिया (तमिलनाडु)

## पदेन सदस्य

श्री चांदमल अग्रवाल (आंध्र प्रदेश)
श्री पोडेश्धर पुरोहित (आंध्र प्रदेश)
श्री युगल किशोर अग्रवाल (बिहार)
श्री सदानंद अग्रवाल (बिहार)
श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया (छत्तीसगढ़)
श्री अमर बंसल (छत्तीसगढ़)
श्री लक्ष्मीपत भुतोड़िया (दिल्ली)
श्री सुंदर लाल शर्मा (दिल्ली)
श्री गोकुल चंद बाजाज (गुजरात)
श्री राहुल अग्रवाल (गुजरात)
श्री बसंत कुमार मित्तल (झारखंड)
श्री रवि शंकर शर्मा (झारखंड)
श्री रमा कांत सराफ (कर्नाटक)
श्री शिव कुमार टेकड़ीवाल (कर्नाटक)
श्री विजय कुमार संकलेचा (मध्य प्रदेश)
श्री श्याम सुंदर महेश्वरी (मध्य प्रदेश)
श्री राज कुमार पुरोहित (महाराष्ट्र)
श्री निकेश गुप्ता (महाराष्ट्र)
श्री कैलाश चंद काबरा (पुर्वोत्तर)
श्री विनोद कुमार लोहिया (पुर्वोत्तर)
श्री विजय कुमार गोयल (तमिलनाडु)
श्री मुरारी लाल सोंथलिया (तमिलनाडु)
श्री रमेश कुमार बंग (तेलंगाना)
श्री रामप्रकाश भंडारी (तेलंगाना)
श्री गोविंद अग्रवाल (उत्कल)
श्री जयदयाल अग्रवाल (उत्कल)
श्री श्रीगोपाल तुलस्यान (उत्तर प्रदेश)
श्री टिकम चंद सेठिया (उत्तर प्रदेश)
श्री संतोष खेतान (उत्तराखंड)
श्री संजय जाजोदिया (उत्तराखंड)
श्री श्याम सुंदर अग्रवाल (केरल)
श्री भावेश चांडक (केरल)
श्री रमेश पेड़ीवाल (सिक्किम)
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (सिक्किम)
श्रीमती नीरा बथवाल (राँची)
श्रीमती रूपा अग्रवाल (राँची)
श्री सुरेंद्र भट्टर (राजस्थान)
श्री सुंदर प्रकाश (ओड़िशा)

# हमारे नवनिर्वाचित शाखाध्यक्ष

## शाखा : सिलापथार, पूर्वोत्तर

### श्री अशोक हेमानी

मारवाड़ी सम्मेलन, सिलापथार शाखा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री अशोक हेमानी का जन्म १ जनवरी १९६७ को राजस्थान के जयपुर जिले के खेजरौली गाँव में हुआ। आपने बी. कॉम. तक की शिक्षा राजस्थान के जयपुर जिले में ही ली। आपका विवाह श्रीमती रंजुला देवी से हुआ व आपके दो सुपुत्र मोहित व अर्पित हैं। श्री हेमानी जी के दादा जी स्वर्गीय लक्ष्मीनारायण हेमानी जी तथा पिता श्री मोहनलाल हेमानी जी सीलापथार जिले में सामाजिक रूप से काफी सक्रिय थे। आपके पिताश्री ने अपने पिता स्वर्गीय लक्ष्मीनारायण हेमानी के स्मृति में दस बीघा जमीन सिलापथार शहर में लिया और स्कूल भवन बनाकर शंकर देव शिशु निकेतन को १ जनवरी १९९६ को समाज हेतु समर्पित किया, जो लक्ष्मीनारायण हेमानी शंकर देव शिशु निकेतन के नाम से कक्षा १२वीं तक की शिक्षा का प्रबंधन करता है।

## शाखा : बंदरदेवा, पूर्वोत्तर

### श्री हीरालाल अग्रवाल

श्री हीरालाल अग्रवाल का जन्म पानीतोला में स्व. बासदेव व श्रीमती भुगानी देवी अग्रवाल (तिनसुकिया) के यहाँ हुआ। आपने वाणिज्य में स्नातकोत्तर के बाद वकालत परीक्षा पास की। आपके दो सुपुत्र व एक सुपुत्री हैं। आपका निवास व व्यापार तिनसुकिया शहर में है व फिलहाल आप बंदरदेवा (अरुणाचल प्रदेश) में मेडिकल लाइन में व्यवसायरत हैं। आपने पानीतोला हिंदी हाईस्कूल विकास समिति के सदस्य, ए न्यू हाई स्कूल एजुकेशन ट्रस्ट, तिनसुकिया स्कूल के ट्रस्टी, पानीतोला दुर्गा पूजा ट्रस्ट भवन के अध्यक्ष के रूप में सेवाएँ दी हैं। आप बंदरदेवा में भी विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं व बंदरदेवा लॉयंस क्लब के सचिव व पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यकारिणी सदस्य रहे हैं। अभी आप मारवाड़ी सम्मेलन, बंदरदेवा के सत्र २०२३-२५ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष के रूप में सेवाएँ दे रहे हैं।

## शाखा : पूर्वी दिल्ली, दिल्ली

### श्री संजय अग्रवाल

श्री संजय अग्रवाल जी का जन्म ११ फरवरी १९७३ में असम के बरपेटा में हुआ। आप मूलरूप से राजस्थान के सीकर के निवासी हैं। आपका विवाह श्रीमती नीलम अग्रवाल जी से हुआ। आपने १९९० में सामाजिक संस्था की स्थापना के साथ समाजसेवा के क्षेत्र में कदम रखा। आप व्यवसाय के लिए १९९९ में दिल्ली आए और अपना व्यवसाय शुरु किया। आप भारतीय युवा मंच, पूर्वांचल परिवार के सचिव, हनुमान भक्त परिवार के सदस्य एवं कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़कर उल्लेखनीय कार्य जैसे बाढ़ पीड़ितों की सेवा, यमुना सफाई अभियान, गरीब बच्चों की पढ़ाई, दिव्यांगों के सर्वांगीण विकास, आत्मनिर्भरता इत्यादि समाजमूलक कार्य किया। अभी आप दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्वी दिल्ली शाखा के सत्र २०२३-२५ के लिए अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं।

## शाखा : फकीराग्राम महिला शाखा, पूर्वोत्तर

### श्रीमती सरिता शर्मा (अधिवक्ता)

श्रीमती सरिता शर्मा जी का जन्म जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल में हुआ। आपके पिता स्वर्गीय गौरी शंकर शर्मा एवं माता स्वर्गीय गीता देवी शर्मा हैं। आपने स्नातक (आर्ट्स) पी. डी. वूमंस कॉलेज से करने के पश्चात लॉ की पढ़ाई 'जलपाईगुड़ी लॉ कॉलेज' से पूरी की। बचपन से ही आपको लिखने, पढ़ने का शौक था। लेख एवं कविताएं लिखने में रुचि होने के कारण आपके द्वारा लिखें, लेख एवं कविता पूर्वांचल प्रहरी एवं अन्य समाचार पत्र में प्रकाशित होते हैं। आपने कई प्रिंट मीडिया संस्थानों में पत्रकारिता भी की। १९८९-२००२ तक जलपाईगुड़ी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट (प. बंगाल) में आपने वकालत की प्रैक्टिस की। २००३ से आप कोकराझार कोर्ट में वकालत की प्रैक्टिस कर रही हैं। वहीं २०१० से आप सहायक गवर्नमेंट प्लीडर हैं। वर्तमान में आप फकीराग्राम मारवाड़ी महिला सम्मेलन, फकीराग्राम शाखा की अध्यक्ष हैं।

## शाखा : होजाई, पूर्वोत्तर

### श्री निरंजन सरावगी

श्री निरंजन सरावगी जी का जन्म ०१ अक्तूबर १९६१ को असम के होजाई शहर में हुआ। आपके पिता का नाम स्वर्गीय चिरंजीलाल सरावगी एवं माता का नाम स्वर्गीय भगोती देवी है। आप मूलरूप से राजस्थान के चूरू जिला के रतनगढ़ के निवासी हैं। आपने मैट्रिक स्थानीय गांधी विद्यापीठ एवं ग्रेजुएशन गुवाहाटी कॉमर्स कॉलेज से की। आपका विवाह श्रीमती सरिता सरावगी से १९ मई १९९० में हुआ। पिछले ३ दशकों से आप समाजसेवा मूलक कार्यों में तन, मन से अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। आप मारवाड़ी युवा मंच, होजाई शाखा के संस्थापक सचिव, मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष और मारवाड़ी पंचायत के सह-सचिव रहे। वर्तमान में आप गांधी विद्यापीठ हाइस्कूल के संचालन समिति के अध्यक्ष हैं। आप १९८८ से पत्रकारिता करते हुए वर्तमान में होजाई जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष हैं। अभी आप सत्र २०२३-२५ के लिए मारवाड़ी सम्मेलन, होजाई शाखा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं।

## शाखा : गुवाहाटी महिला शाखा, पूर्वोत्तर

### श्रीमती संतोष शर्मा

श्रीमती संतोष शर्मा जी का जन्म २५ मार्च १९७० को रतनगढ़, राजस्थान में हुआ। आपके पिता स्वर्गीय सीताराम शर्मा एवं माता स्वर्गीय सरस्वती शर्मा हैं। आप सुप्रसिद्ध भजन एवं राजस्थानी लोक गायिका हैं। आप समाजसेवा कार्य में गहरी रुची रखती हैं। आप 'पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी मंच' की पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय सामाजिक विकास समिति की प्रदेश चेयरमैन एवं भारतीय अटल महिला मोर्चा की प्रांतीय अध्यक्ष रही हैं। वर्तमान में आप मारवाड़ी महिला सम्मेलन, गुवाहाटी शाखा की अध्यक्ष हैं।

## प्रादेशिक समाचार : झारखंड

# प्रांतीय कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न

जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आयोजित हजारीबाग प्रमंडल का प्रमंडलीय अधिवेशन सह झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय कार्यकारिणी समिति की बैठक व प्रांतीय वार्षिक आमसभा संपन्न हुई। अधिवेशन के मुख्य अतिथि झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री बसंत मित्तल ने समाज को एकजुटता व जरूरत के वक्त हमेशा एक-दूसरे के सहयोग में खड़े रहने का आह्वान किया। राँची के प्रसिद्ध समाजसेवी श्री विनय सरावगी ने समाज के साथ हर समय कदम ताल मिलाकर चलने की बात कही। रामगढ़ के पूर्व विधायक श्री शंकर चौधरी ने कहा कि इस तरह के आयोजन से समाज को नई ऊर्जा मिलती है। कार्यक्रम का संचालन श्री कमल बगड़िया ने किया। मौके पर मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय कार्यालय प्रभारी श्री श्याम सुंदर शर्मा, प्रमंडलीय मंत्री श्री बिमल बुधिया, जिला अध्यक्ष श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल, जिला मंत्री श्री प्रकाश पटवारी, जिला कोषाध्यक्ष श्री मानिक जैन, जिला संगठन मंत्री श्री उमेश राजगढ़िया, संयुक्त सचिव श्री प्रदीप शर्मा, श्री श्याम शर्मा, श्री प्रवीण अग्रवाल, श्री इंदर अग्रवाल, श्री मनीष अग्रवाल, श्री श्याम सुंदर शर्मा, श्री अशोक कुमार अग्रवाल, श्री आनंद कुमार अग्रवाल, श्री राजेश कुमार बंसल, श्री नरेश कुमार अग्रवाल, श्री विजय कुमार अग्रवाल, श्री प्रदीप कुमार शर्मा, श्री संजय कुमार अग्रवाल, श्री अजय अग्रवाल, श्री टिंकू अग्रवाल आदि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

## प्रादेशिक समाचार : पूर्वोत्तर

# मारवाड़ी समाज पर शोध कार्य हेतु विश्वविद्यालय अधिकारियों से मुलाकात

गोलाघाट स्थित वीरांगना सती साधनी राज्यिक विश्वविद्यालय के साथ मारवाड़ी समाज पर शोध कार्य हेतु मारवाड़ी शोध कार्य समिति के संयोजक श्री उमेश खंडेलिया, धेमाजी के नेतृत्व में प्रांतीय सलाहकार श्री प्रदीप खदरिया, देरगांव, प्रांतीय महामंत्री श्री विनोद कुमार लोहिया, गुवाहाटी, मंडल 'क' के प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ महेश जैन, डिब्रूगढ़ मंडल 'ग' के प्रांतीय सहायक मंत्री श्री राज कुमार सराफ, नार्थ लखीमपुर, गोलाघाट शाखा के अध्यक्ष श्री प्रदीप नावका एवं बोकखात के डॉ. बाबूलाल जी मोर के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय अधिकारियों से मुलाकात की, जिसमें शोध कार्य को लेकर वस्तृत चर्चा हुई। चर्चा अत्यंत सार्थक रही। इस महीने के अंत में MOU साइन करने पर सहमति बनी है।

## प्रादेशिक समाचार : दिल्ली

# अध्यक्ष बने श्री संजय अग्रवाल

३० जुलाई को प्रांतीय अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया के सभापतित्व एवं श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, श्री सज्जन शर्मा व प्रांतीय महामंत्री श्री सुंदर लाल शर्मा की उपस्थिति में हुए चुनाव में श्री संजय अग्रवाल को निर्विरोध ध्वनिमत से अध्यक्ष निर्वाचित किया गया।श्री संजय अग्रवाल जी एक जाने-माने समाजसेवक हैं। श्री संजय अग्रवाल ने अपने वक्तव्य में कहा कि 'सेवा परमो धर्म:' के आदर्शों पर चलते हुए मारवाड़ी समाज में व्याप्त कुरीतियों दहेजप्रथा, शादी में रुकावट व समाज में प्रचलित दिखावे की प्रवृति को न सिर्फ समाप्त करने के लिए प्रयत्नशील रहूँगा, बल्कि गरीब तबकों का सामूहिक विवाह करवाना मेरा मुख्य लक्ष्य रहेगा।

## प्रादेशिक समाचार : उत्तर प्रदेश

# दिव्यांग सम्मान कार्यक्रम संपन्न

मारवाड़ी सम्मेलन, कानपुर द्वारा ५ अगस्त को दिव्यांग सम्मान का आयोजन किया गया। इसमें शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी योग्यता और कला के बल पर आगे बढ़ने वाले दिव्यांगों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर दिव्यांग बच्चों और उनके विकास के लिए काम कर रही संस्थाओं का भी सम्मान हुआ। दिव्यांग आगंतुकों ने अपनी विलक्षण प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। सम्मान आयोजन में मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री श्रीगोपाल तुलस्यान जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

## प्रादेशिक समाचार : उत्तराखंड

# २ दिवसीय भंडारा और मेडिकल कैंप संपन्न

उत्तराखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन ने सावन महीने के कावड़ यात्रा पर ११वाँ, २ दिवसीय नि:शुल्क भंडारा और मेडिकल कैंप ११-१२ जुलाई २०२३ को लगाया, जिसमें करीब १४ हजार भक्तों ने प्रसाद लिया। कैंप का उद्घाटन श्री आदेश चौहान, विधायक, रानीपुर, हरिद्वार के कर कमलों से हुआ। सर्वश्री संतोष खेतान, संजय जाजोदिया, विजय अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, मनोज जी गोयल, राम केजरीवाल, रंजीत टिबरेवाल, संजीत टि बरेवाल, राहुल शर्मा, महेश बुबना आदि ने अपना सहयोग दिया।

## नई शाखा का स्वागत

### गुलाबबाग शाखा का गठन

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन गुलाबबाग शाखा का गठन प्रांतीय अध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल के द्वारा किया गया। जिसमें श्री ललित अग्रवाल को अध्यक्ष तथा श्री पारस जेजनी को सचिव का दायित्व सौंपा गया। इस बैठक में प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री अमर दहलान, कोषाध्यक्ष श्री मनीष सराफ, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष श्री नीलम अग्रवाल, क्षेत्रीय मंत्री श्री आलोक लोहिया एवं अन्य उपस्थित थे। बैठक में सर्वश्री श्याम तापडिया, नेमचंद चोपड़ा, दिलीप सराफ, गिविंद रामपुरिया, संजय चौधरी, श्याम चौधरी, पूर्णिया शाखाध्यक्ष प्रदीप मित्रा एवं सचिव प्रदीप अग्रवाल की गरिमामय उपस्थिति रही।

**तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर, बिहार**

### कावड़ियों के लिए सेवा शिविर

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर द्वारा १६ जुलाई एवं २३ जुलाई को मधौल (मेन रोड) पर कावड़ियों के लिए शिविर लगाया गया। इस शिविर में कावड़ियों के नहाने, आराम करने के साथ-साथ गर्म पानी, नींबू शर्बत, चाय-बिस्कुट, पूड़ी-सब्जी एवं उपचार की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम के संयोजक श्री राजेश बंका थे। कार्यक्रम में सर्वश्री पवन कुमार बंका (क्षेत्रीय उपाध्यक्ष), राजीव कुमार केजडीवाल, राजकिशोर बंका, मनोहर केजडीवाल, सुशील अग्रवाल, राहुल बंका, गौरीशंकर अग्रवाल, राकेश शर्मा, गौरी शंकर तुलस्यान, पंकज मित्तल, विजय शर्मा, रवीश शर्मा, श्रीमती डोली मित्तल तथा अन्य सदस्यों ने इसमें सहयोग दिया।

**तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर, बिहार**

### वृक्षारोपण

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर द्वारा मुजफ्फरपुर सिटी पार्क में पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत फलदार वृक्ष लगाए गए।

**खगड़िया, बिहार**

१३ अगस्त को बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, खगड़िया शाखा ने रेलवे कॉलोनी में वृक्षारोपण किया। इसमें मारवाड़ी समाज बंधुओं के अलावा अन्य समाज के लोगों ने भी सहयोग किया। २० फलदार और अन्य विशाल वृक्षों के पौधे लगाए गए। खगड़िया शाखा अध्यक्ष श्री राज कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री किशोर कुमार तुलस्यान, उपाध्यक्ष श्री कृष्ण मुरारी अग्रवाल, श्री दिलीप कुमार बजाज, श्री लक्ष्मण बजाज, डॉ. प्रेमशंकर तथा अन्य समाज-बंधुओं की उपस्थिति और सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

**बेतिया, बिहार**

### दूसरे स्थायी प्याऊ का लोकार्पण

जन कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, शाखा बेतिया द्वारा श्री ऋषि जी एवं श्री आशीष जी राजगढ़िया द्वारा अपने पूज्यनीय पूर्वजों के निमित्त प्रदत्त दूसरा स्थायी प्याऊ सुप्रिया रोड स्थित शशि बजाज शोरूम के सामने का लोकार्पण महापौर श्रीमती गरिमा देवी सिकरिया ने मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री प्रेम सोमानी, श्री ऋषि राजगढ़िया एवं सदस्यों की उपस्थिति में किया। श्रीमती गरिमा देवी सिकरिया ने मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा निरंतर किए जा रहे सामाजिक एवं ज़न कल्याण के कार्यक्रमों की प्रशंसा की एवं उन्होंने आगे कहा कि सम्मेलन द्वारा किए जाने वाले सभी जन कल्याण के कार्यक्रम में उनका भरपूर समर्थन रहेगा। अध्यक्ष श्री प्रेम सोमानी ने इस प्याऊ को समर्पित करते हुए कहा कि बेतिया मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा शीघ्र ही दो और स्थायी प्याऊ का निर्माण करवाया जाएगा एवं वर्ष के अंत तक कुल दस स्थायी प्याऊ का निर्माण हम करवाएंगे। उपाध्यक्ष श्री रवि गोयनका ने बताया कि मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा नगर के विभिन्न स्थानों पर स्थायी एवं अस्थायी प्याऊ के माध्यम से आम लोगों को नि:शुल्क शीतल जल उपलब्ध कराया जा रहा है। इस कार्यक्रम में सचिव श्री सुभाष रूंगटा सहित सर्वश्री संजय जैन, रेवती रमण लुन्डिया, भरत सर्राफ, रवि जैन, मनोज खेतान, प्रदीप केसान, संदीप केसान, अर्पित केसान, सोनू अग्रवाल ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

## पटना सिटी, बिहार

# स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कार्यक्रम

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की पटना सिटी शाखा के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन हुआ। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री निर्मल झुनझुनवाला, प्रादेशिक अध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कमल नोपानी, प्रादेशिक उपाध्यक्ष श्री अमर कुमार दहलान, प्रादेशिक उपाध्यक्ष श्री मुकेश जैन का स्वागत राजस्थानी चुनरी, पगड़ी, दुशाला और प्रतीक चिह्न देकर किया गया। सभी वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखें। समाज में फैल रहे आडंबर पर रोक लगाने, समाज को एकजुट करने, सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री ईश्वर लाल गोयनका, डॉ त्रिलोकी प्रसाद गोलवारा, सिटी शाखा के संस्थापक अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम पोद्दार सहित सम्मेलन के अनेक सदस्य उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता सिटी शाखा के अध्यक्ष श्री शिवप्रसाद मोदी ने किया। मंच संचालन सचिव श्री संजीव देवड़ा ने किया और धन्यवाद ज्ञापन श्री संजय डोकानियां ने किया। इस कार्यक्रम के संयोजक श्री राजकुमार गोयनका एवं श्री महावीर मोदी के देख-रेख में रात्रि भोज का आयोजन हुआ।

## पूर्णिया, बिहार

# पूर्णिया मारवाड़ी सम्मेलन का रक्तदान शिविर संपन्न

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, पूर्णिया जिला द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शहर के जाने-माने चिकित्सक डॉ. देवी राम, डॉ. अमरनाथ केजरीवाल, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल, श्री ओम डोकानिया, श्री ओरमल पारिख के हाथों हुआ। डॉ. देवी राम एवं डॉ. अमरनाथ केजरीवाल के द्वारा रक्तदान के महत्व तथा लाभ पर प्रकाश डाला गया। डॉ. देवी राम ने समाज के लोगों से रक्तदान के प्रति जागरूक होने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के जिला अध्यक्ष श्री प्रदीप कुमार मित्रुका ने किया।

## बेतिया, बिहार

# जरूरतमंदों के बीच छाता वितरण

बरसात को देखते हुए मारवाड़ी सम्मेलन की बेतिया शाखा द्वारा जरूरतमंद लोगों के बीच छाता का वितरण किया गया।

## सरायकेला-खरसावां, झारखंड

# अध्यक्ष चुने गए श्री विष्णु अग्रवाल

२७ जुलाई २०२३ को मारवाड़ी सम्मेलन, जिला सरायकेला-खरसावां की बैठक जिला अध्यक्ष श्री प्रदीप चौधरी की अध्यक्षता में उनके आवासीय कार्यालय में संपन्न हुई। जिसमें मुख्य रूप से झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री बसंत मित्तल जी, प्रांतीय संयुक्त महामंत्री श्री दीपक पारीक, प्रांतीय कार्यसमिति सदस्य श्री बलराम अग्रवाल उपस्थित रहे। सरायकेला जिले में शाखा विस्तार के क्रम में सर्वसम्मति से श्री विष्णु अग्रवाल जी को सरायकेला शाखाध्यक्ष बनाया गया। बैठक में श्री बसंत मित्तल जी के द्वारा समाज में व्याप्त कुरीतियों प्री-वेडिंग फोटोशूट, शादी विवाह में दिखावटी खर्चा और भी कई चीजों पर ध्यान आकृष्ट कराते हुए बताया गया कि इन सब कुरीतियों के कारण समाज में विषम स्थिति उत्पन्न होती है, कुरीतियों को कड़ाई से रोकने की आवश्यकता है। ताकि, मारवाड़ी समाज की आने वाली पीढ़ियां मुख्य रूप से अपने सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान को बनाए रख सकें। जिलाध्यक्ष श्री प्रदीप चौधरी ने पूरे जिला में मारवाड़ी सम्मेलन के संगठन विस्तार संबंधित कार्यों की जानकारी दी और प्रांतीय अध्यक्ष के द्वारा दिए गए सुझाव पर विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए इन कुरीतियों से निपटने की बात कही। बैठक में मुख्य रूप से जिला महामंत्री श्री प्रेमचंद्र अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष श्री अरुण सेक्सरिया, नगर पंचायत पूर्व उपाध्यक्ष श्री मनोज चौधरी, श्री प्रदीप बुधिया, श्री अरुण चौधरी, श्री मोहन सेक्सरिया, श्री आशीष अग्रवाल, श्री संजय सेकसरिया, श्री कमल चौधरी, श्री रतन चौधरी, श्री संजय चौधरी, श्री सुनील सेकसरिया, श्री श्याम सुंदर अग्रवाल सहित समाज के वरिष्ठ गण मौजूद रहे।

## देवघर जिला, झारखंड

# स्वास्थ्य मंत्री श्री बन्ना गुप्ता का भव्य स्वागत

होटल ग्रांड के सभागार में देवघर जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री श्री बन्ना गुप्ता जी का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया।

## शाखा समाचार

### बोकारो, झारखंड

## जलाभिषेक और आरती का आयोजन

बोकारो जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आयोजित श्रावणी पुरुषोत्तम मास में श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर, चास के शिवालय में समाज के साथ सामूहिक जलाभिषेक एवं सामूहिक आरती का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग ३०० समाज की महिला, पुरुष, युवा साथी एवं छोटे-छोटे बच्चों ने गरगा नदी से जल उठाकर श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर, चास के प्रांगम में जलाभिषेक किया। चास के मारवाड़ी समाज में यह पहला अवसर है की सामूहिक रूप से नदी से जल लेकर शिवालय में जलाभिषेक किया गया। समाज के गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ बोकारो विधायक श्री बिरची नारायण ने भी इस कार्यक्रम में शिरकत किया। समाज के विभिन्न संस्थाओं के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। जिसमें मुख्य रूप से मारवाड़ी पंचायत, मारवाड़ी सम्मेलन (चाखा), मारवाड़ी महिला समिति, मारवाड़ी युवा मंच, युवा मंच उड़ान शाखा, श्री श्याम दीवाने, श्री रानी सती भक्त मंडल, श्री श्याम सेवा संस्थान के सदस्यगण भारी संख्या में सम्मिलित होकर इस धार्मिक कार्यक्रम को उत्साहवर्धक बनाया। जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर जैन ने सभी सदस्यों के अभूतपूर्व योगदान की सराहना की। सम्मेलन के महामंत्री श्री विकास अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री अनूप सुद्रानिया, श्री सुभाष केजरीवाल, श्री सीताराम अग्रवाल, श्री किशन टोलिया, श्री हनुमान पिलानिया, श्री पंकज बंसल, महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती संतोष केडिया, मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष श्री राज केजरीवाल, उड़ान शाखा की अध्यक्ष श्रीमती मीनू आवाल, श्री श्याम दिवाने के अध्यक्ष श्री दीपक अकल, ब्रह्माकुमारी की दीदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सिद्धकान्हु सह सुभाष नगर के सदस्य श्री रवि राजौरिया, श्री गोपाल अग्रवाल के साथ उपस्थित हुए एवं सभी संस्था के पदाधिकारी सर्वश्री अशोक जगनानी, जयप्रकाश तापड़िया, निरंजन पीपुरीया, प्रदीप पीपुरिया, पवन मित्तल, नरेश इलेटर, पवन सर्राफ, परमेश्वर गोयल, प्रताप जयसवाल (भजन गायक), अनुप अग्रवाल, मनोज मानकसिया, अमित गोयल, मनीष गोयल, संजय गोयल, मनोज आवाल, राजेंद्र जालान, ललित जगनानी, राजेश खण्डेलवाल, दीपक खण्डेलवाल, विक्रम अग्रवाल सहित भारी संख्या में लोगों ने इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

### महिला परिधि, बेंगलूरु, कर्नाटक

## देव दर्शन यात्रा का सफल आयोजन

मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि बेंगलूरु, कर्नाटक ने अधिक मास के उपलक्ष्य में देव-दर्शन और वन-भोज का आयोजन किया। महिला परिधि की अध्यक्षा श्रीमती माया अग्रवाल ने सबका स्वागत किया। सचिव श्रीमती शालिनी अग्रवाल ने सभी को देव-दर्शन की जानकारी दी। कार्यक्रम की कोषाध्यक्षा श्रीमती हेमलता सांवरिया, सलाहकार श्रीमती मंजू अग्रवाल की उपस्थिति रही। यात्रा की संयोजक उपाध्यक्षा श्रीमती निर्मला गोयल, उपाध्यक्ष श्रीमती लता चौधरी, उपसचिव श्रीमती पल्लवी पोद्दार उपस्थित रहीं। सदस्या सर्वश्रीमती नेहा अग्रवाल, शशि जैन, नीतू सर्राफ मंजू अग्रवाल, अंजू अग्रवाल, कविता गर्ग, हेमलता अग्रवाल, किरन भवसिका उपस्थित थीं। यात्रा में ६० महिलाओं ने कोलार अम्मा देवस्थान, सोमेश्वर स्वामी देवस्थान, गणेश-लक्ष्मी मंदिर, बंगारू तिरूपति और कोटिलिंगेश्वर देवस्थान के दर्शन का लाभ उठाया। यात्रा के दौरान तुलसी मेडिटेशन और सुश्री स्वाती शर्मा (संगीतकार) के द्वारा भजन ने सबको आनंदित किया। धार्मिक प्रश्न-उत्तर और म्यूजिकल टंबोला सिखाया गया। अंत में सबको तुलसी का पौधा भेंट किया गया।

### कामरूप, पूर्वोत्तर

## हास्य कवि सम्मेलन संपन्न

मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा के सौजन्य से माछखोवा स्थित आईटीए सेंटर में हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान भीलवाड़ा से पधारे वीर रस के कवि सर्वश्री योगेंद्र शर्मा, नवलगढ़ से आए हास्य रस के कवि हरीश हिंदुस्तानी, फरीदाबाद से आए हास्य रस के कवि दीपक गुप्ता, राजेश अग्रवाल व श्रृंगार रस की कवियत्री सुश्री कल्पना शुक्ला के काव्य प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को अंत तक बांधे रखा। इससे पहले शाखा अध्यक्ष श्री दिनेश गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा, प्रांतीय महामंत्री श्री बिनोद लोहिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मधुसूदन सिकरिया, निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश खंडेलवाल, कार्यक्रम संयोजक श्री राजेश अग्रवाल, श्री राजेश जम्मड़, शाखा मंत्री श्री संजय खेतान, कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक मानक चंद ज्वेलर्स के श्री विनोद सोनी, प्रायोजक श्री तरुण पोद्दार ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर शाखा मुखपत्र **'कामरूप दर्पण'** के डिजिटल संस्करण का विमोचन करते हुए प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा ने अपने संबोधन में कामरूप शाखा के कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर 'कामरूप दर्पण' के संपादक सी.ए. श्री रतन अग्रवाल, सुश्री कंचन शर्मा व श्री रतन अग्रवाल मंच पर उपस्थित थे। इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रायोजक व सह प्रायोजक को भी शाखा प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री संजय निमोदिया, श्री संजय अग्रवाल, श्री विनोद शर्मा, श्री राजेश लुणावत, श्री संतोष जैन, श्री पवन खाटूवाला, श्री निरंजन सिकरीया, श्री संपत मिश्र, श्री उमाशंकर गट्टानी, श्री पवन जाजोदिया, सुश्री सुनीता गुप्ता, सुश्री नीलम जाजोदिया, सुश्री सरिता लोहिया व सुश्री सरोज अग्रवाल का भरपूर सहयोग रहा।

Yours Tastefully
Anmol
हर पल अनमोल
हर घर अनमोल
www.anmolindustries.com | Follow us on:

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

# SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

## Home Blood Collection

## (033) 4021-2525, 97481-22475

## 98301 96659

**Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks**

## शाखा समाचार

### गुवाहाटी, पूर्वोत्तर

# तीन दिवसीय मेगा रक्तदान शिविर

मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के तत्वावधान में तीन दिवसीय मेगा रक्तदान शिविर के संयोजक प्रदीप भुवालका ने बताया कि मारवाड़ी हॉस्पीटल के सहयोग से प्रथम शिविर कुल ३२ यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इनमें २० ऐसे रक्तदाता थे, जिन्होंने पहली बार रक्तदान किया। शिविर के आयोजन में सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के संरक्षक कैलाश लोहिया व कार्यकारिणी सदस्य राहुल लोहिया का भरपूर सहयोग रहा।

गुवाहाटी शाखा के जनसंपर्क अधिकारी नरेंद्र सोनी ने बताया कि शिविर को सफल बनाने में कार्यक्रम संयोजक व उपाध्यक्ष प्रदीप भुवालका, सचिव अशोक सेठिया, कोषाध्यक्ष सूरज सिंघानिया, कार्यकारिणी सदस्य सुरेंद्र लढ़ा आदि सदस्यों सहित फैक्ट्री के कार्यप्रभारी राजू पाल का भरपूर सहयोग रहा।

शाखाध्यक्ष शंकर बिड़ला ने बताया कि इस मेगा रक्तदान कैंप का दूसरा शिविर संयोजक सुशील गोयल की देखरेख में वृहस्पतिवार को आजरा के काहीकुची स्थित कोहली एंड संस वेयरहाउस तथा तीसरा व अंतिम शिविर ५ अगस्त को शिविर संयोजक संजीत धूत की देखरेख में क्रिश्चियन बस्ती स्थित टॉपसेम सीमेंट परिसर में आयोजित किया जाएगा।

### *श्रद्धांजलि!*

*सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अनिल कुमार जाजोदिया की माताश्री श्रीमती सुशीला देवी जी का देवलोकगमन गत १२ अगस्त २०२३ को वाराणसी में हो गया। सम्मेलन परिवार की ओर से हम हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं।*

**श्रद्धापूर्वक नमन!**

**श्रीमती सुशीला देवी**

**भावभीनी श्रद्धांजलि**

## उपलब्धि

### श्री जालान को आचार्य चाणक्य शिखर सम्मान

बिहार सरकार की अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्रीमती अनीता देवी ने समाजसेवा के क्षेत्र में 'आचार्य चाणक्य शिखर सम्मान' श्री महेश जालान जी को प्रदान किया।

### अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य बनें श्री जैन

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष श्री मुकेश जैन जी को बिहार राज्य सरकार के अल्पसंख्यक आयोग का सदस्य मनोनीत किया गया।

डॉ. केशव अग्रवाल नेपाली सेना में कर्नल पद पर पदोन्नति हुए हैं। आप बालरोग विशेषज्ञ हैं। नेपाली सेना में पहली बार कोई मारवाड़ी इतने ऊँचे महत्वपूर्ण पद पर पहुँचा है।

लखीसराय, बिहार हाल मुकाम, राँची, झारखंड निवासी श्री सुशील डोलिया ने ६५ वर्ष की उम्र में १३७५० फीट की ऊँचाई पर स्थित हिमालय के कश्मीर ग्रेट लेक्स ट्रैक को फतह किया है। इनके अदम्य साहस को नमन है और इस अपूर्व उपलब्धि पर संपूर्ण समाज को गर्व है।

सुश्री कृतिका लखोटिया ने सीएसआईआर-नेट में फिजिक्स विषय में ऑल इंडिया ५२वीं रैंक हासिल किया है। कृतिका वर्तमान में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में फिजिक्स विभाग में शोध-कार्य कर रही हैं।

किशनगंज की सुश्री सुहानी जैन ने दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के प्रवेश परीक्षा में ८०० में ८०० अंक लाकर कीर्तिमान बनाया है। सुहानी वरिष्ठ IPS श्री संजय कुमार जैन की पुत्री हैं।

# अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का सप्तम अधिवेशन (१९५३)

## समाज के आमूल परिवर्तन की आवश्यकता

(ले. श्री ईश्वरदास जालान)

(गतांक से आगे...)

उपर्युक्त परिस्थिति में हमारे सामाजिक संगठन के आमूल परिवर्तन की आवश्यकता है। हमारे सामाजिक संगठन के मूलभूत आधार को बदलना होगा। आज समाज का संगठन धन की भित्ति पर है। इसको बदलकर हमें श्रम की भित्ति पर समाज को कायम करना होगा और यह जितनी जल्दी आरंभ हो उतना ही अच्छा, क्योंकि इस काम में समय लगता है। हम, जब समय आएगा तो अपने को उस परिस्थित के भी अनुकूल पावें, इसी में बहादुरी हैं। मारवाड़ी समाज सदा परिवर्तनशील रहा है। समस्त भारतीय जनता की भावना को हम बदल नहीं सकते, परंतु अपने को तो उसके अनुकूल बना ही सकते हैं, ताकि हम नष्ट न हों और जीवन यात्रा को बदली हुई परिस्थिति में भी सुख और सम्मान के साथ चला सकें। आदतें जल्दी नहीं बदलती, परंतु उन्हें बदलने के लिए बहुत कोशिश करनी पड़ती है, तीव्र आंदोलन करने पड़ते हैं। समाज के प्रत्येक स्त्री-पुरुष को आत्मनिर्भर करना होगा। अपना काम स्वयं करने की आदत लगानी होगी। अपने में उन गुणों का समावेश करना होगा जिससे समाज में हम अपने को उपयोगी बनाकर अपना जीविकोपार्जन कर सकें। विलासिता को दूर करना होगा और समाज में एक नए दृष्टिकोण को पैदा करना होगा। घरेलू नौकर-चाकर थोड़े दिन ही और मिलेंगे। ज्यों-ज्यों भावना जागृति होगी वे अपने अधिकार को समझेंगे और जो काम आज आप उनसे लेते हैं, नहीं ले सकेंगे। नई भावना को समाज में उत्पन्न करने के लिए तीव्र आंदोलन की आवश्यकता है जो बिना संगठित प्रयत्न के संभव नहीं है। संगठित प्रयत्न समस्त देशव्यापी हो तभी सफल हो सकता है। सम्मेलन इस संगठन को देता है बशर्ते कि हम इसे सबल और कारगर बनावें। हम इस समाज में पारस्परिक धनी-गरीब की कलह को प्रश्रय देना नहीं चाहते हैं। हम चाहते हैं कि समस्त समाज क्या धनी, क्या गरीब, बदली हुई परिस्थिति के अनुकूल हो जाय। यह असंभव नहीं है। जब पूँजीवादी जगत साम्यवादी बन सकता है तो कोई कारण नहीं कि हमारा समाज भी उसको न कर सकें। यदि यह ऐसा कर सकेगा तो भावी भारत को वह राह बतावेगा।

### राजनीति से उदासीनता

जब देश पर अंग्रेजों का शासन था तब यदि कोई मनुष्य या समाज राजनीति में भाग नहीं लेता था तो उतना जीवन पर असर नहीं पड़ता था, क्योंकि शासन सूत्र विदेशियों के हाथ में था। परंतु स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत की जनता के हाथ में शासन की बागड़ोर जब आ गई तब देश की नीति उनके प्रतिनिधियों द्वारा गठित मंत्रिमंडल के हाथ में आ जाती है और यही मंत्रिमंडल का शासन करता है, जिसकी नीति तथा कार्य का परिणाम प्रत्येक प्राणी के जीवन पर पड़ता है। यदि यह सरकार योग्य हुई तो देश आगे बढ़ता है और यदि अयोग्य हुई तो देश गिरता है। कोई भी भारतीय समाज राजनीति से अपने को पृथक नहीं रख सकता है। यह समाज व्यापार, वाणिज्य में दत्तचित्त होकर राजनीति से तथा अन्य सार्वजनिक जीवन से अन्यमनस्क हो रहा है जिसका परिणाम यह है कि पिछले चुनाव के पहले जितने मनुष्य इस समाज के विभिन्न प्रदेशों की धारा सभाओं में थे उतने भी आज उनमें नहीं है। प्रत्येक धारा सभा के सदस्यों की संख्या पहले से प्रायः दूनी हो गई है। बिहार की धारा सभा में गत चुनाव के पहले चार सज्जन थे, इस समय केवल एक हैं। आसाम में भी पहले कई सज्जन थे, परंतु अब शायद एक भी नहीं हैं। उड़ीसा में भी कोई प्रतीत नहीं होता। बंगाल जो इस समाज के ४ सज्जन हैं उतने ही पहले भी थे। इसी तरह की स्थिति अन्य स्थानों में भी है। केवल मध्य प्रदेश में, क्योंकि इस समाज ने बराबर राजनीति में भाग लिया। लगभग २० सज्जन वहाँ की धारा सभा में हैं और माननीय बृजलाल जी बियाणी जो सम्मेलन के वर्तमान अध्यक्ष हैं, वहाँ के वित्त मंत्री हैं। प्रधानमंत्री के बाद ही वित्त मंत्री का स्थान होता है। इसका कारण यही है कि वहाँ के हमारे बंधु राजनीति में सदैव भाग लेते रहते हैं। वहाँ की नागपुर की कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री पूनमचन्द जी राका अनेक वर्षों तक रहे। श्री बृजलाल जो बियाणी विदर्भ कांग्रेस के अध्यक्ष बहुत दिनों तक रहे। श्री गोविन्द दास जी जो हमारे सभापति होने वाले हैं, अनेक वर्षों तक जबलपुर कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। इससे स्पष्ट होता है कि जहां पर समाज में राजनीतिक विषयों में दिलचस्पी लेने वाले व्यक्ति हैं वहां उन्हें एक सम्मान पूर्ण स्थान प्राप्त है और जहाँ समाज के व्यक्ति इससे अलग रहते हैं उनका कोई भी स्थान नहीं बना। आज जिस समाज के सदस्य धारा सभाओं में भी न हों उस समाज की कोई प्रतिष्ठा नहीं हो सकती। अतएव यह निश्चित है कि यह समाज यदि सम्मानपूर्वक विभिन्न प्रदेशों में रहना चाहता है तो उसे राजनीतिक प्रतिष्ठानों में जाना ही होगा। किंतु प्रश्न यह उठता है कि वहाँ जाय कैसे? आज के चुनाव वयस्क मताधिकार के आधार पर है। राजा, रंक, ब्राह्मण, शूद्र सभी को एक ही वोट प्राप्त है। अतएव जो भी मनुष्य इन धारा सभाओं में जाएंगे उन्हें अपने क्षेत्रों में सर्वप्रिय होना होगा। परंतु यह तभी संभव है जबकि वह उस क्षेत्र के मनुष्यों की सेवा करेगा और जीवन में उसका कुछ स्थान हो। ये दोनों चीजें ही समय साध्य होती हैं। थोड़े समय में नहीं बन पाती। अनुभव की भी अत्यंत आवश्यकता होती है। उन गुणों को भी जरूरत होती है जिससे कि जनता के हृदय में उसके प्रति सद्भावना हो। इन सब बातों की व्यवस्था तभी हो सकती है जब कि हम अपने प्रतिभाशाली मनुष्यों को इस ओर प्रेरणा दें और वे इसे मन से अपने जीवन के कार्यक्रम में शामिल करें।

(साभार : अ.भा.मा. सम्मेलन के अधिवेशन के अवसर पर प्रसारित 'वर्तमान युग और मारवाड़ी समाज')

# सम्मेलन का साधारण अधिवेशन (१९३५)

(गतांक से आगे...)

## स्वागताध्यक्ष का भाषण

सज्जनों! किसी भी जाति को उन्नति बिना समुचित शिक्षा के नहीं हो सकती। हमारा समाज अभी तक इस क्षेत्र में पिछड़ा हुआ है। गत पंद्रह-बीस के अंदर ही हमारे समाज शिक्षा का कुछ प्रचार हुआ है। तीस वर्ष पहले, जहाँ हमारे यहाँ से दो-चार मैट्रिक पास दिखाई देते थे, वहाँ उनकी संख्या अब हजार पहुँच गई है। समाज के लिए ये शुभ लक्षण है। बिना आधुनिक शिक्षाके कोई समाज गौरव नहीं प्राप्त कर सकता; अतएव हमारा सबसे बड़ा कर्तव्य है कि हम शिक्षा को पूरा प्रोत्साहन दें। अभी तक हमारे यहाँ उच्च शिक्षा की बहुत कमी है। मुश्किल से एक दर्जन एम.ए., दो-चार डॉक्टर, एक-दो इंजीनियर, दो-चार अच्छे विद्वान इतने बड़े समाज में पाए जाएंगे। यह अवस्था वांछनीय नहीं है। हमारी संख्या दिनानुदिन बढ़ती जाती है; अत: जीविका के लिए नए-नए साधनों को निकालना होगा और बिना शिक्षा के यह संभव नहीं है। हर्ष की बात है कि हमारा समाज उत्तरोतर कल-कारखानों के काम में लग रहा है। सैकड़ों सुगर मीलें, कई जूट मीलें तथा और भी अन्यान्य नए-नए कामों में हमलोग पड़ रहे हैं; परंतु उनमें सफलता प्राप्त करने के लिए उत्तमोत्तम शिक्षा की आवश्यकता है। अब भी हमारे यहाँ देखा-देखी बिना पूर्वोपर सोचे व्यापारिक कार्यों में पड़ने का अभ्यास है; जिसका कारण भी हमारी अशिक्षा ही है। व्यापार के ऊपर देश की राजनीति तथा अर्थनीति का बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है। एक इंपोर्ट ड्यूटी (Import Duty) के कारण चार वर्ष के अंदर सैकड़ों चीनी की कलें स्थापित हो गई। परंतु एक एक्साइज (Excise) ड्यूटी के कारण उन चीनी की कलों की अवस्था अब वैसी हरी-भरी नहीं रही। एक्सचेंज (Exchange) और करेंसी (Currency) का प्रभाव आपसे छिपा नहीं है। इनके कारण समूचे व्यापारिक जगत में उथल-पुथल मच जाती है। इसलिए कोई भी व्यापारिक समाज बिना अर्थशास्त्र (Economy) तथा राजनीति (Politics) को जाने वर्तमान में सफल नहीं हो सकता। हमारा व्यापार पारसियों की अपेक्षा कहीं अधिक व्यापक है। हमारी संख्या उनसे कहीं अधिक है; किंतु उनमें शिक्षा का पूरा प्रचार है, जिसके कारण व्यापारिक राजनीति में पारसियों का जो स्थान है और किसी को भी प्राप्त नहीं है। उनमें दर्जनों ऐसे आदमी मिलेंगे जो देश की व्यापारिक समस्याओं पर उत्तम राय प्रगट कर सकते हैं; परंतु दुर्भाग्यवश हमारे यहाँ ऐसे पुरुषों की कमी है। इसी का परिणाम है कि हम आज व्यापारिक जगत में भी जो स्थान प्राप्त कर सकते वह नहीं प्राप्त कर सके हैं। देश के व्यापार की भलाई की दृष्टि से भी आवश्यक है कि हम शिक्षा को पूर्ण प्रोत्साहन दें।

वर्तमान शिक्षा-प्रणाली के संबंध में आज-कल काफी चर्चा चल रही है। वर्तमान शिक्षा-प्रणाली के जीविकोपार्जन में अधिक सहायता नहीं मिलती। हजारों पढ़े-लिखे बिना किसी काम के दर-दर मारे फिरते हैं, शिक्षा प्राप्त करके भी वे अपनी क्षुधा को शांत करने में असमर्थ हैं। इस दुरवस्था के कारण वर्तमान शिक्षापद्धति के विरुद्ध घोर आंदोलन चल रहा है। हमें भी इस अवस्था कों नहीं भूलना चाहिए। यद्यपि हमारे समाज की वर्तमान शिक्षा के अभाव को देखते हुए सभी विभागों में थोड़ी गुंजाइश है; परंतु हमें यह न भूलना चाहिए कि हमारे जीवन का प्रधान अवलंब व्यापार ही रहेगा। अतएव जो बालक इतने योग्य हों कि वे अन्य कार्यों में सफलता पूर्वक लग सकें तो वे चाहे दूसरी लाइनों में जाएँ; परंतु हमें शिक्षा की ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए कि जिससे हमारे देशवासी ऐसी व्यापारिक शिक्षा प्राप्त कर सकें जिससे वे नए-नए उद्योग – धंधों में जा सकें। भारतवर्ष के लिए इस समय ऐसी ही शिक्षा की आवश्यकता है। इस समय हमारे जितने भी स्कूल हैं, वे प्राय: वर्तमान पद्धति के अनुसार ही चल रहे हैं; परंतु समय आ गया है कि हम व्यापारिक शिक्षा के लिए उत्तम से उत्तम शिक्षालयों की स्थापना करें, जिसमें हमारे देशवासी भारतवर्ष की व्यापारिक उन्नति में सहायक हो सकें। भारतवर्ष की व्यापारिक उन्नति के संबंध में हमारा बहुत कुछ उत्तरदायित्व है और हमें यह न भूलना चाहिए कि देश की उन्नति से ही हमारी उन्नति है और हमें इसमें पूर्ण सहयोग देना चाहिए।

इसमें कोई संदेह नहीं कि जब तक हमारी सरकार देश के व्यापार की उन्नति के लिए पूर्ण रूप से सहायता न दे, तब तक हम देश के व्यापार की न उन्नति कर सकते हैं और न बेकारी की समस्या ही हल हो सकती है। अतएव हमारा कर्तव्य है कि हम सरकार का ध्यान इस ओर सदैव आकृष्ट करते रहें और इस तरह का प्रयत्न करें जिसमें देश की आर्थिक व्यवस्था (Financial Policy) ऐसी हो जिससे देश के व्यापार की उन्नति हो।

अब मैं आपका ध्यान राजनीतिक प्रश्नों की ओर दिलाना चाहता हूँ। हमारा समाज व्यापर में सदैव इतना लीन रहा कि देश में क्या हो रहा है, इसकी भी इसे सुधबुध नहीं है। परंतु हम अब इसकी उपेक्षा नहीं कर सकते। हमारा ध्येय तभी प्राप्त हो सकता है जबकि हम एकांगी न होकर सर्वांगी बनें। देश के शासन-विधान में बहुत बड़ा परिवर्तन हुआ है और होगा, उनका प्रभाव हमारे जीवन पर पड़े बिना नहीं रह सकता। हम शासन-सुधारों में, देश की राजनीतिक समस्याओं में ध्यान देना होगा और उन्हें समझने की चेष्टा करनी होगी। हम उनकी उपेक्षा बिलकुल नहीं कर सकते। देश की राजनीतिक संस्थाओं में हमें भाग लेना चाहिए और जो कुछ भी हमसे सेवा हो सके, करनी चाहिए। म्युनिसिपल्टी, डिस्ट्रिक्टबोर्ड, कौंसिल इत्यादि राजनीतिक संस्थाओं में भी जाकर हमें स्वयं लाभ उठाना चाहिए और अपने अनुभवों से दूसरों को लाभ देना चाहिए। जब तक हमलोग देश की राजनीतिक समस्याओं में भाग नहीं लेंगे, तब तक हम अपनी उन्नति नहीं कर सकेंगे।

(साभार : अ.भा.मा. सम्मेलन के अधिवेशन के अवसर पर प्रसारित स्वागत समिति के कार्य विवरण से)

# मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े शब्दों का ठीक-ठीक अर्थ और लक्षण

जिस तरह की जिंदगी हम जी रहे हैं, वहां स्ट्रेस, एंग्जायटी, डिप्रेशन, ट्रॉमा जैसे शब्द रोजमर्रा का हिस्सा हैं। पर हममें से बहुत कम लोग इन सभी शब्दों के ठीक-ठीक मतलब जानते हैं। कई बार हम साधारण से गुस्से को भी एंग्जाइटी समझ लेते हैं। इसलिए इन शब्दों को बेहतर तरीके से समझने और इनके अंतर को जानने के लिए हमने बात की पटना की मनोवैज्ञानिक डॉक्टर बिंदा सिंह से।

आइए जानते हैं मेंटल हेल्थ से जुड़े कुछ शब्दों का ठीक-ठीक अर्थ और लक्षण।

### १ स्ट्रेस (Stress)

डॉक्टर बिंदा कहती हैं जब आप तनाव के बारे में सोचते हैं, तो यह आपके दिमाग में नकारात्मक भावनाएं लाता है। लेकिन कुछ तनाव आपके लिए अच्छे हैं, जैसे कि जब आप कोई नया रिश्ता या नौकरी शुरू करते हैं, ते आप जिस तरह का तनाव महसूस करते हैं, वह आपके उत्साह को बढ़ावा दे सकता है। यह आपको आगे बढ़ने और अपनी मंजिल हासिल करने के लिए प्रेरित भी कर सकता है।

तनाव आपको चुनौतियों का सामना करने या बुरी से बुरी परिस्थितियों का जवाब देने के लिए तैयार रहने में भी मदद करता है। ऐसा स्ट्रेस आपके लि अच्छा है।

पर यदि आप लंबे समय तक बुरे तनाव में रहते हैं, तो यह आपको शारीरिक और भावनात्मक दोनों रूप से प्रभावित कर सकता है। "तनाव यदि कम समय के लिए हो तो आपको बेहतर परफॉर्म करने का अवसर देता है, लेकिन यदि यह लंबे समय तक सक्रिय है तो यह घातक हो सकता है।"

डॉक्टर के अनुसार, "यदि हम लंबे समय से चले आ रहे तनाव में रहते हैं, तो इसके प्रभाव हानिकारक हो सकते हैं। ये अवसाद बढ़ाने में भी योगदान दे सकता है, एक मनोदशा विकार जो आपको उन चीजों में उदास और उदासीन महसूस कराता है जिनका आप आमतौर पर आनंद लेते हैं।

**स्ट्रेस क्या है?**

ब्राउन यूनिवर्सिटी में स्ट्रेस और डिप्रेशन पर हुए एक रिसर्च को हेड कर रहे क्लिनिकल प्रोफेसर कैरल लांडो कहते हैं, "एंग्जायटी पर तनाव का प्रभाव, हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण समस्याओं में से एक है।

### २ एंग्जायटी (Anxiety)

एंग्जायटी दरअसल डर और बेचैनी की भावना है। जिसकी वजह से आपको पसीना आ सकता है, बेचैनी और तनाव महसूस हो सकती है और दिल की धड़कन भी तेज हो सकती है। यह स्थिति तनाव की सामान्य प्रतिक्रिया हो सकती है। उदाहरण के लिए, जब आप काम पर, परीक्षा देने से पहले, या कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने से पहले किसी कठिन समस्या का सामना करते हैं, तो आप चिंतित महसूस कर सकते हैं। यह इन स्थितियों का सामना करने में आपकी मदद कर सकता है।

### ३ आघात (Trauma)

भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक आघात अचानक हुई या चल रही घटनाओं दोनों के कारण हो सकते हैं। अचानक हुई घटना/दुर्घटना में प्राकृतिक आपदा या हमले जैसा कुछ भी हो सकता है वहीं लगातार हो रही घटनाओं से होने वाले आघात का संबंध तनावपूर्ण घटनाओं से हो सकता है, जैसे कि बचपन में हुआ यौन, भावनात्मक या शारीरिक शोषण या असुरक्षित अपराधिक माहौल में रहना।

डॉक्टर बिंदा के अनुसार चाहे आप व्यक्तिगत रूप से शामिल हों या घटना की गवाह मात्र हों, एक तकलीफदेह घटना आपको सदमे में छोड़ सकती है। सदमे के कारण ये लक्षण देखने को मिल सकते हैं:

दिमाग सुन्न होना।
अपराधबोध या आत्म-दोष जैसी भावनाओं का जोर पकड़ना।
अत्यधिक उदासी और रोना।
मनोदशा में परिवर्तन जैसे चिड़चिड़ापन, चिंता, तनाव, नकारात्मकता, उदासी और अरुचि।
ध्यान की कमी होना।
घटना के बारे में यादें या बुरे सपने को दोहराना।
सामाजिक नहीं होना, लोगों से दूर रहना, व्यक्तिगत संबंध का तनावपूर्ण होना।
खाने या सोने में बदलाव।
शराब या ड्रग्स का अधिक उपयोग होना।

### ४ अवसाद (Depression)

आमतौर पर भावनाएँ समय के साथ फीकी पड़ जाती हैं और आप जीवन के साथ आगे बढ़ते हैं पर जब कुछ परेशान करने वाला या तनावपूर्ण होता है, जैसे संबंध टूटना, या नौकरी खोना तो स्वाभाविक तौर पर आप स्थिति से सामना नहीं कर पाती हैं और तनाव से घिर जाती हैं। यह समस्या आगे तक बनी रहती है तो यह अवसाद है। आपकी उदासी इन कारकों से जुड़ी है:

आपके विचार।
आप जिस तरह से व्यवहार करते हैं।
अतीत में आपके साथ क्या हुआ था।
जब आपके आस-पास क्या हो रहा है।
जिस तरह से स्ट्रेस हार्मोन आपके दिमाग को प्रभावित करते हैं।

**तनाव (Stress) का प्रतिरक्षा (Immunity) पर सीधा असर पड़ता है तनाव और अवसाद में भी अंतर है।**

डॉक्टर बिंदा के अनुसार बेहतर आत्म-देखभाल (Self Care) से सभी अवसार में मदद मिलेगी। हल्के अवसाद के लिए, स्वयं सहायता तकनीक (जैसे शारीरिक गतिविधि-Physical Activities) एक बड़ा बदलाव ला सकती है। किसी ऐसे व्यक्ति को जीवन में शामिल करना वास्तव में मददगार हो सकता है जो अवसाद के बारे में जानता हो। ऐसे लोग भी हैं जिनका काम दूसरों की मदद करना है और इसके बावजूद जिन्हें ऐसे मुश्किल समय का सामना करना पड़ रहा है।

अवसाद अक्सर यह विचार पैदा कर सकता है कि आप आगे बढ़ने लायक नहीं हैं, या यह कि आपके बिना हर कोई बेहतर होगा, आपकी कोई जरूरत नहीं है। यदि आप ऐसा महसूस कर रहे हैं, और विशेष रूप से यदि ये विचार प्रबल हो रहे हैं तो आपको तुरंत सहायता प्राप्त करने की आवश्यकता है।

**जानें इसके लक्षण**

लगातार कमतल या निराशाजनक महसूस करना
जिन कामों में आप आनंद लेते थे, उन्हें करने में बहुत कम रुचि या आनंद होना।

**अन्य संभावित संकेत और लक्षण**

चिड़चिड़ापन या बेचैनी
हर समय थका हुआ या ऊर्जा की कमी महसूस करना
खालीपन या अकेलापन महसूस करना,
नींद की समस्या – बहुत अधिक, या बहुत कम
वजन कम करना या बढ़ना
अपने बारे में या अपने द्वारा की गई चीजों के बारे में बुरा महसूस करना
एकाग्रता की समस्या
कम सेक्स ड्राइव
मौत के बारे में बहुत सोचना
खुद को नुकसान पहुंचाने के विचार आना।

जिन लोगों को डिप्रेशन होता है उनमें स्ट्रेस होना आम बात है। चिंता और अवसाद के लक्षण ओवरलैप हो सकते हैं। इन शब्दों के सही अंतर को समझना बेहद ज़रूरी है ताकि समय से इन सबका समाधान और इलाज किया जा सके।

कविता

## उणकै बिन हिय चेत न आव

हर सुखदुख में साथ निभाव
देख समस्या दोड्यो आव
इसो भायलो किण नै पाव।

गरल हृदय नै सरल बनाव
दर्दको दावानल नै बुझाव
इसो भायलो किण नै पाव।

मुइर्याएडो कमल खिलाव,
त्रास मिटाकै आश उगाव,
इसो भायलो किण नै पाव।

सिसकी स्वयं गजल हुजाव
देख नयन बी सजल हुआव
इसो भायलो किण नै पाव।

सारी उथलपुथल मिटाव
अभाव मिटै मंगल छा जाव
इसो भायलो किण नै पाव।

विकल मन निश्चल हु जाव
उणकै बिन हिय चेत नआव
इसो भायलो किण नै पावै।

**लक्ष्मण कुमार नेवटिया**

चर्चित लेखक। नेपाली, हिंदी, मारवाड़ी भाषा में व्यंग्य, कविता, हाइकु, लघुकथा लेखन तथा अनुवाद में संलग्नता। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड एवं नेपाल में कई साहित्यिक पुरस्कारों से सम्मानित।

## सगला मारवाड़ी भाई बेहना सू निवेदन करां हा

आपा आपनो देश मारवाड़ (राजस्थान) तो छोड़ दिया हा, काई आपा आपनी मारवाड़ी आपनी मातृ भाषा ने भी छोड़ देनी खत्म कर देनो चावां हा आपनां मैं अधिकतर माता पिता आपरा बच्चा (टाबरा) सु हिंदी, इंग्लिश में बात करा हां और गर्व महसूस करा हां, आज हर सिंधी रा बच्चा सिंधी बोले है, मराठी का मराठी, अठातांई के अरबपति अंबानी का बच्चा भी गुजराती में ही बात करे है, परंतु आज री जेनरेशन मारवाड़ी बच्चा ने तो मारवाड़ी आवे ही नहीं है, काई आपने मारवाड़ी बोलना में शर्म आवे है

इन बच्चा का हक है मारवाड़ी बोलनो और मारवाड़ी सीखनो तो कृपया कर गर्व सु मारवाड़ी में बात करो, कम से कम मां पिताजी, भाई, भोजाई, चाचाजी, चाचीजी, सगला घर का सु कोई एक तो बात शुरु करो आपनी मारवाड़ी भाषा ने विलुप्त होना सु बचाए।

समाचार सार

## राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता दिलाने के लिए साइकिल यात्रा

राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता दिलवाने की मांग को लेकर साइकिल से राजस्थान की यात्रा पर निकले लालचंद जाखड़ २७ सौ किलोमीटर की यात्रा पूर्ण कर ली। गाँव रीडी, श्रीडूंगरगढ़, जिला बीकानेर के रहने वाले श्री जाखड़ ने अब तक २७ सौ किलोमीटर की यात्रा पूर्ण कर ली है। उनका कहना है कि जब गुजरात में गुजराती, महाराष्ट्र में मराठी, पंजाब में पंजाबी तथा अन्य प्रदेशों में उनकी मातृभाषा को संवैधानिक मान्यता प्राप्त है तो फिर राजस्थान में राजस्थानी भाषा को भी संवैधानिक मान्यता प्राप्त होनी चाहिए। इसी मांग को लेकर वे राजस्थान भर की साइकिल यात्रा पर निकले हुए हैं।

## मरीजों और परिजनों को आवास

**गोपाल मेंशन** चिकित्सा उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती मरीज के परिवार को बहुत ही उचित दरों पर रहने की सुविधा प्रदान करता है। दक्षिण मुंबई में स्थित, गोपाल मेंशन बॉम्बे हॉस्पिटल के बहुत करीब है और मुंबई के कई प्रमुख अस्पतालों के करीब है। इसका प्रबंधन एस.एम.डी. चैरिटेबल ट्रस्ट, मुंबई करता है। गोपाल मेंशन में कुल ५३ कमरे हैं। डबल बेडरूम के कमरे का रोजाना शुल्क ८९६/- रुपया, लंच और डिनर की थाली मात्र ५०/- रुपया व नास्ता २०/- रुपया प्रति व्यक्ति है। यहाँ आरक्षण के लिए आप दूरभाष ०२२-२२०५५००१/०२, ८८७९९८६८९३ पर कॉल कर सुबह १० बजे से शाम ७ बजे तक या www.gopalmansion.com वेबसाइट पर जाकर बुकिंग कर सकते हैं।

# संयुक्त परिवार में रहने का संदेश देता अजमेर का एक परिवार

वर्तमान दौर में संयुक्त परिवार की संस्कृति लगभग खत्म सी हो गई है। भारत में दो ऐसे परिवार हैं जिनके बारे में सुनकर लोग चौंक जाते हैं। एक परिवार मिजोरम के जिओना चाना का है जिसके सदस्यों की संख्या १८१ है, दूसरा एक परिवार अजमेर का है जिसके सदस्यों की संख्या १८५ है। अभी तक जिओना चाना के परिवार को देश का सबसे बड़ा परिवार माना जाता था, लेकिन अब अजमेर का एक संयुक्त परिवार है जो देश का सबसे बड़ा परिवार है। हम राजस्थान के इसी परिवार की बात यहाँ करेंगे। यह परिवार राजस्थान के अजमेर जिले के नसीराबाद उपखंड के रामसर गांव में रहता है। बड़ी बात यह है कि आज के इस आधुनिक दौर में जहाँ परिवार का मतलब पति-पत्नी और बच्चे तक संकुचित हो गया है, वहाँ आज भंवरलाल माली का १८५ सदस्यों का संयुक्त परिवार बड़े हँसी-खुशी से एक साथ रहता है। इस परिवार के सभी फैसले मुखिया भंवरलाल माली ही लेते हैं।

रामसर के माली परिवार के भागचंद माली बताते हैं कि उनके दादा सुलतान माली थे। यह उनका परिवार है। सुलतान माली के ६ बेटे थे, जिनमें उसके पिता भंवरलाल सबसे बड़े हैं। वहीं उनके अन्य छोटे भाइयों में रामचंद्र, मोहन, छगन, बिरदीचंद और छोटू हैं। शुरू से ही उनके दादा सुलतान माली ने सबको साथ रखा और हमेशा संयुक्त रहने की सीख दी। जिसके कारण आज भी उनका परिवार एक साथ है। भागचंद माली आगे बताते हैं कि पूर्व में उनका परिवार केवल खेती पर निर्भर था, लेकिन इसके बाद जैसे-जैसे परिवार बढ़ता गया तो उन्होंने आय के साधन भी बढ़ाए। अब उनका परिवार खेती के साथ डेयरी और बिल्डिंग मैटेरियल का काम भी करता है, जिससे उनके परिवार का भरण-पोषण होता है। माली आगे कहते हैं कि उनके परिवार में ५५ पुरुष, ५५ महिलाएं और ७५ बच्चे हैं। उनके परिवार में लगभग १२५ से अधिक मतदाता हैं। इसके चलते चाहे सरपंच का चुनाव हो या अन्य कोई चुनाव, सभी चुनावों में उनके परिवार को विशेष तबज्जो दी जाती है। इस परिवार के मुखिया भंवरलाल माली ने कहा कि संयुक्त परिवार में जो आनंद है वह एकल परिवार में नहीं है। एकल परिवार के कारण ही अपराध बढ़ रहे हैं और संस्कारों का भी अभाव हो रहा है। उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवार में कई बार कठोर निर्णय भी लेने पड़ते हैं। उन्होंने आमजन से अपील की है कि संयुक्त परिवार में रहें और छोटी-मोटी बातों को नजरअंदाज करें। संयुक्त परिवार में रहने के कई फायदे भी वे गिनाते हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवार में किसी भी काम या अन्य कोई भी बोझ किसी एक पर नहीं पड़ता है, वहीं एकल परिवार में अकेले व्यक्ति पर ही सारा बोझ आता है। संयुक्त परिवार में रहने से आर्थिक रूप से भी मजबूती रहती है।

# BE A PART OF OUR FAMILY

*Grow With Us*

- **Employee**

*Employee Benefits*

- Great Work Culture
- Support and Handholding
- Growth and Appreciation
- Knowledge and Learning

- **Partner**

*Partner Benefits*

- No Risk
- Partner for your own location
- Continuous Support
- Not much cost involved

AUM CAPITAL
YOUR TRUST IS OUR WEALTH

New Delhi I Mumbai I Kolkata I Pune I Ranchi I Bangalore I Chennai

www.aumcap.com

FOR FURTHER QUERIES REACH US AT

aumcares@aumcap.com

/ AumCap

Rungta Office, Nagar Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand- 833201
Email - tmtsales@rungtasteel.com

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
MDF-The wood of the future
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.
Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088
For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on 1800 5722 122

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 24th August 2023
RNI Regd. No. 2866/1968

#LiveColors

COLORS BY RUPA

Bring on the Fun with
PRINTED
BRIEFS & TRUNKS

SOFT TOUCH | BREATHABLE FABRIC | QUICK ABSORPTION | ANTI-FUNGAL DYE | TAGLESS COMFORT | SUPER STRETCHABLE | ULTRA DURABLE | SNUG FIT

Colorful. Comfy. Cool. Presenting **Colors Printed Briefs & Trunks**, flaunt the shades of versatility coz there's a print for every mood & occasion. Combined with its superior support, as well as lasting freshness - you'll stay relaxed and stylish, all day!

**Other available products**

SCAN & EXPLORE

VEST #201 #202 #203 #204 #205 #206 #207 #208 #209 #210 #211 #212 #213 #214 #215
BRIEF #106 #107 #109 #111 #116 #117 #118 #126
TRUNK #101 #102 #103 #104 #105 #108 #110 #112 #113 #114 #115 #119 #120 #121 #122 #123 #124 #125
TOWEL #301 #302 #303 #401 #402 #501 | HANDKERCHIEF #701 #702 #703 #704 #705

Pictures shown are for illustration purpose only. Actual product may vary due to product enhancement. #Product codes.

live colors

Toll Free No.: **1800 1235 001** | Visit your nearest store or shop @ **rupaonlinestore.com** | **livecolors.in** | amazon.in

From :
**All India Marwari Federation**
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com